@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 26 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 113 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रक्षा उद्योग और मजबूत होना चाहिएः राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का स्पष्ट मानना है कि भारत का अपना रक्षा उद्योग और मजबूत होना चाहिए। जरूरत से ज्यादा हथियार और सैन्य उपकरण देश में ही बनें। यही नहीं, सैन्य उपकरण व हथियार दूसरे देशों को निर्यात भी किए जाएं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के नए अधिकारियों से मुलाकात में कहा कि यह सब 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत किया जा रहा है। रक्षा मंत्री बुधवार को साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय में आईएफएस-2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात कर रहे थे, जहां उन्होंने उनसे खुलकर बातचीत की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि भारत का स्वदेशी रक्षा उद्योग इतना मजबूत बने

कि देश की जरूरतें भी यहीं पूरी हों और दुनिया के दूसरे देशों को भी भारतीय रक्षा उपकरण निर्यात किए जाएं। रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय था जब भारत दुनिया के बड़े रक्षा आयातकों में गिना जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। सरकार ने नई तकनीकों को अपनाने, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र को साथ लेकर चलने और स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। आज भारत जमीन, समुद्र, आकाश और अंतरिक्ष जैसे सभी क्षेत्रों में अपने प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है। कई देशों को भारत से रक्षा उपकरण मिल रहे हैं।उन्होंने कहा कि यह बदलाव रातों-रात नहीं आया, बल्कि लगातार नीति सुधार और तकनीकी विकास का नतीजा है। राजनाथ सिंह ने प्रशिक्षु अधिकारियों को समझाया कि विदेशों में तैनात भारतीय राजनयिक सिर्फ राजनीतिक या आर्थिक संबंध नहीं संभालते, बल्कि रक्षा सहयोग और निर्यात के रास्ते भी खोलते हैं। जब भारत किसी देश के साथ रक्षा समझौता करता है या सैन्य उपकरण बेचता है, तो उसमें दूतावासों और राजनयिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

● देश में न सिर्फ हथियार और सैन्य उपकरण बनें, बल्कि निर्यात भी किए जाएं: राजनाथ सिंह

आयुष चिकित्सा प्रणालियों ने नागरिकों के स्वास्थ्य में अमूल्य योगदान दिया है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026' का उद्घाटन किया

एजेंसी

बुलढाणा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में 'राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026' का उद्घाटन किया। उन्होंने आयुष स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले छह वरिष्ठ वैद्यों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि हमारी परंपरा में संपूर्ण स्वास्थ्य को सबसे बड़ा सुख माना जाता है। स्वस्थ नागरिक देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयुष चिकित्सा पद्धतियों ने नागरिकों के स्वास्थ्य में अमूल्य योगदान दिया है। योग, आयुर्वेद और सिद्ध जैसी प्रणालियां आधुनिक चिकित्सा के उदय से ही लोगों की सेवा कर रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे खेतों, रसोई घरों और जंगलों में औषधीय पौधों और स्वास्थ्यवर्धक

जड़ी-बूटियों का अनमोल भंडार मौजूद है। इस बहुमूल्य संपदा का संरक्षण और संवर्धन औषधियों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। औषधीय पौधों की खेती न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करती है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य और संरक्षण में भी योगदान देती है। इसलिए, आयुष प्रणालियों को बढ़ावा देना न केवल लोगों के शारीरिक और आर्थिक स्वास्थ्य में सुधार करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, योग और अन्य आयुष प्रणालियां स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

आज विश्व रोगों की रोकथाम में एकीकृत चिकित्सा के महत्व को पहचान रहा है। दुनिया भर के लोग तनाव मुक्त और स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग अपना रहे हैं और आयुर्वेदिक उपचारों और दवाओं से लाभ उठा रहे हैं। साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, औषधियों का मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण जैसे कदम आयुष प्रणालियों की मान्यता और स्वीकृति को और बढ़ाएंगे।

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक को बताया सच्चा देशभक्त

कहा- नफरत के खिलाफ खड़े होकर पेश की नई मिसाल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के कोटद्वार के जिम संचालक दीपक कुमार की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया है। राहुल ने कहा कि दीपक ने नफरत के खिलाफ डटकर कमजोर की रक्षा की और इससे बड़ी देशभक्ति कोई नहीं हो सकती।

दीपक उस समय चर्चा में आए जब उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का विरोध किया, जो कथित तौर पर एक मुस्लिम दुकानदार को परेशान कर रहे थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर दीपक कुमार और उनके मित्र विजय रावत के साथ मुलाकात का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा कि देश में करोड़ों लोगों के दिल में प्रेम और सौहार्द की भावना है, लेकिन मन में

डर भी है। दीपक ने अपने साहस से लोगों को रास्ता दिखाया है। जो लोग नफरत फैलाते हैं और समाज को डराते हैं, वे कायर हैं। उनसे डरने की जरूरत नहीं है। राहुल ने कहा कि दीपक ने तिरंगे और संविधान की रक्षा की है।

दोबारा हुआ प्रदर्शन

31 जनवरी को फिर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दुकान और दीपक के जिम के बाहर जमा हुए। सड़क जाम की गई और नारेबाजी हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए और बड़ा टकराव टल गया। इस पूरे घटनाक्रम में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। दीपक कुमार 42 वर्ष के हैं और 'द हल्क' नाम से जिम चलाते हैं। उनका कहना है कि इस विवाद के बाद उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

राहुल गांधी ने दीपक कुमार से दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेता वैभव वालिया और अन्य लोग भी मौजूद थे। दीपक की मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी हुई। राहुल ने दीपक की पत्नी से भी बात की और कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह कोटद्वार आकर उनसे मिलेंगे। दीपक ने राहुल से कहा कि उन्हें भगवान के अलावा किसी से डर नहीं लगता।

● क्या है पूरा मामला?

यह घटना 26 जनवरी की है। कोटद्वार के पटेल मार्ग पर स्थित 'बाबा' नाम की कपड़ों की दुकान के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि 70 वर्षीय दुकानदार वकील अहमद को दुकान का नाम बदलना चाहिए। इसी दौरान झड़प हुई। दुकानदार के बेटे के मित्र दीपक कुमार ने हस्तक्षेप किया और खुद को 'मोहम्मद दीपक' बताते हुए प्रदर्शनकारियों का सामना किया। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

'गांधी परिवार ने किया देश के साथ समझौता'

पीयूष गोयल ने राहुल गांधी से पूछे तीखे सवाल

एजेंसी

पटना/दरभंगा। एआई समिट की प्रदर्शन में भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं के शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग जारी है। इसी कड़ी में, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से तीखे सवाल पूछे। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का भी जिक्र किया। पीयूष गोयल ने कहा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि किस तरह गांधी परिवार 'समझौता करने वाली राजनीति' का उदाहरण रहा है। पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी लगातार देशहित से समझौता करती रही है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस का इतिहास हो या वर्तमान या फिर भ्रष्टाचार से जुड़े विभिन्न मामले, इन सभी से संकेत मिलते हैं कि पार्टी विदेशी ताकतों के प्रभाव में जनहित और राष्ट्रहित से समझौता करती रही है। इस तरह की राजनीति देश और देशवासियों के उज्ज्वल भविष्य को नुकसान पहुंचाती है और इसके अनेक उदाहरण जनता के सामने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी सोरोस तो कभी पाकिस्तान जैसे मुद्दों पर अपने ही देश के खिलाफ रुख अपनाते नजर आते हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का काम किया है और वह विदेशी ताकतों के प्रभाव में काम करते दिखाई देते हैं। गोयल ने राहुल गांधी को 'नकारात्मक राजनीति के पोस्टर ब्वॉय' बताते हुए कहा कि वह 247 बार विदेश यात्राएं कर चुके हैं और कई बार प्रोटोकॉल की अनदेखी की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संवेदनशील सीमा क्षेत्र लद्दाख में राहुल गांधी ऐसे विदेशी व्यक्तियों के संपर्क में रहे जो भारत के हितों के खिलाफ काम करते हैं।

तमिलनाडु के भाकपा नेता नल्लाकन्नू का 101 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

चेन्नई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और तमिलनाडु में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता आर. नल्लाकन्नू का बुधवार को यहां के राजीव गांधी सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। वे 101 वर्ष के थे और लंबे समय से उम्रजनित बीमारियों से जूझ रहे थे। अस्पताल के बयान के अनुसार उन्हें एक फरवरी को गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। विशेषज्ञों की निगरानी में इलाज के बावजूद उनकी सेहत में सुधार नहीं हो पाया और हालत लगातार गंभीर बनी रही। उन्होंने आज दोपहर 1:55 बजे अंतिम सांस ली। 'कॉमरेड आरएनके' के नाम से चर्चित नल्लाकन्नू ने करीब आठ दशक तक सक्रिय राजनीति में रहते हुए सादगी, ईमानदारी और निःस्वार्थ सेवा की मिसाल पेश की।

अंतिम मतदाता सूची से पहले भी हो सकती है चुनाव तिथियों की घोषणा : निर्वाचन आयोग के संकेत

'राज्य में अब तक प्रारूप मतदाता सूची से 58 लाख से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने संकेत दिया है कि अंतिम और पूर्ण मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जा सकती है, बशर्ते कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जाए। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, नामांकन की अंतिम तिथि तक प्रकाशित सभी मतदाता सूचियों को चुनाव प्रक्रिया के लिए मान्य माना जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि अंतिम मतदाता सूची चरणबद्ध तरीके से प्रकाशित हो रही हो, तब भी उपलब्ध सूचियों के आधार पर चुनाव संपन्न कराए जा सकते हैं।

राज्य में अब तक प्रारूप मतदाता सूची से 58 लाख से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। हालांकि, अंतिम सूची शुक्रवार को प्रकाशित की जानी है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि हटाए गए नामों की समेकित गणना तत्काल संभव नहीं होगी। उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, 28 फरवरी के बाद भी आयोग चरणबद्ध तरीके से सूचियां प्रकाशित कर सकेगा और उन्हें अंतिम सूची का हिस्सा माना जाएगा। सभी चरणों की सूचियों को एक साथ जोड़ने के बाद ही कुल विलोपन का आकलन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए अंतिम मतदाता सूची का इंतजार करना आवश्यक नहीं है। मतदाता सूची का प्रकाशन और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा, दोनों प्रक्रियाएं समानांतर रूप से जारी रह सकती हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार अस्पताल से छुट्टी, डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी

शरद पवार को छाती में संक्रमण होने पर गत नौ फरवरी रूबी क्लीनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था

एजेंसी

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद पवार के स्वास्थ्य में सुधार आने के बाद आज उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई । शरद पवार को छाती में संक्रमण होने पर गत नौ फरवरी को पुणे के रूबी क्लीनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल में छुट्टी देते समय डॉक्टरों ने पवार को आराम करने की सलाह दी है। रुबी क्लीनिक अस्पताल में मुख्य हृदयरोग विशेषज्ञ, अध्यक्ष और प्रबंधन न्यासी डॉ. पुरवेज़ ग्रांट ने बुधवार को कहा, शरद पवार ठीक हैं। उन्हें छुट्टी दे दी गई है, और वह मुंबई के लिए निकल चुके हैं। उन्हें अगले कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी गई है, जिसके बाद वह अपना सामान्य दिनचर्या शुरू कर सकते हैं।

शरद पवार की बेटी सांसद सुप्रिया सुले अस्पताल से अपने पिता को लेने आयीं थीं। सुप्रिया सुले ने पहले रुबी अस्पताल के डॉक्टरों का आभार जताया। सुले ने कहा कि उनके पिता की तबीयत ठीक है, वह मुंबई में आराम करेंगे । सुले ने कहा कि शरद पवार का नियमित चेक अप मुंबई स्थित ब्रीचकैंडी अस्पताल में कराया जाएगा।

मणिपुर में नष्ट की गई आठ एकड़ अफीम की खेती

● 'इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तार नहीं हो रही है।'

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में मादक पदार्थ एवं अफीम की खेती के विरूद्ध लगातार पुलिस एवं वन विभाग संयुक्त रूप से अभियान चला रही है। वहीं सड़कों पर वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील इलाकों में नाका एवं चेक प्वाइंट लगाए जा रहे हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बल, वन विभाग और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम ने सेनापति जिले के सेनापति थानांतर्गत सदीम पहाड़ी क्षेत्र में लगभग आठ एकड़ अफीम की खेती नष्ट कर दी।

पुंछ के मेंढर इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद

मेंढर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कसबलारी के मोहल्ला सलानी में तलाशी अभियान चलाया

एजेंसी

पुंछ। पुंछ जिले के मेंढर उपमंडल के कसबलारी इलाके में बुधवार को सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने मेंढर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कसबलारी के मोहल्ला सलानी में

तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने लगभग 4.5 किलोग्राम वजन का एक बड़ा देसी बम (आईईडी), एक छोटा आईईडी, दो चीनी ग्रेनेड, दो राउंड के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, 7.62 मिमी गोला बारूद के 22 राउंड और एक पुराना काला बैग बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में किसी के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। आगे की जांच जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से लड़ रही पंजाब पुलिसः मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

जालंधर, 25 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब को हर रोज पाकिस्तान की ओर से समाज विरोधी तत्वों और ड्रोन घुसपैठ के जरिए प्रदेश का माहौल खराब करने के लिए रचे जा रहे नापाक मंसूबों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा के लिए डटकर पहरा दे रही है और पंजाब पुलिस सिर्फ पंजाब की ही नहीं बल्कि पूरे देश की पुलिस है, जो अपना कर्तव्य निभा रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर के पी.ए.पी. ग्राउंड में आयोजित पासिंग आउट परेड के दौरान 2,577 नए पुलिस जवानों को औपचारिक रूप से पंजाब पुलिस में शामिल किया। मुख्यमंत्री की इस पहल ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार की दोहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया। पंजाब पुलिस की भर्ती मुहिम को 'आप' सरकार की रोजगार क्रांति का अहम हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक 12,010 से अधिक पुलिस जवान नियुक्त किए गए हैं। वैज्ञानिक तरीकों पर फोर्स को अपग्रेड करने के लिए 1100 करोड़ रुपये रखे गए हैं और साइबर अपराध, आतंकवाद तथा नशों का मुकाबला करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेष तकनीकी यूनिट और मजबूत एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स सहित अत्याधुनिक कदम उठाए जा रहे हैं। 'युद्ध नशे विरुद्ध' अभियान के तहत 50,238 गिरफ्तारियों और सड़क सुरक्षा फोर्स द्वारा बचाई गई

46,399 जिंदगियों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब में रिकॉर्ड भर्ती, तेजी से तकनीकी अपग्रेडेशन और अपराध के विरुद्ध बेमिसाल कार्रवाई हो रही है, जो कि पंजाब में अमन-शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार के दृढ़ संकल्प की गवाही देती है। 'एक्स' पर समारोह की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज जालंधर में पंजाब पुलिस की प्रतिष्ठित पासिंग-आउट परेड में शामिल होना गर्व की बात थी। कुल 2,577 नए, अत्यंत प्रेरणादायक अधिकारी औपचारिक रूप से पंजाब पुलिस परिवार में शामिल हुए हैं, इन सभी को बधाई। हमारी सरकार के नेतृत्व में 12,000 से अधिक जवानों की पुलिस में भर्ती का रिकॉर्ड कायम किया गया है, उच्च-तकनीकी यूनिटें स्थापित की गई हैं और नशे के दुरुपयोग के विरुद्ध सख्त अभियान जारी है। हम पंजाब की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध हैं। जय हिंद। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पद संभालने के बाद मैंने पंजाब पुलिस को वैज्ञानिक आधार पर अपग्रेड करने पर विशेष जोर दिया और इस उद्देश्य के लिए 1,100 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह अत्यंत गर्व की बात है कि पंजाब पुलिस को हर प्रकार की चुनौती का सामना करने और देश की एकता, अखंडता एवं प्रभुसत्ता बनाए रखने के लिए आधुनिक आधार पर सुसज्जित किया गया है। पंजाब की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब पुलिस अपनी ड्यूटी को पूरी मुस्तैदी से निभा रही है। समारोह में शामिल होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं पासिंग आउट परेड के लिए पंजाब आर्म्ड पुलिस कैंपस में आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा, आज की पासिंग आउट परेड में पंजाब पुलिस के विभिन्न कैडरों के कुल 2,577 जवान और अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। यह परेड उनकी बुनियादी प्रशिक्षण की पूर्णता को दर्शाती है और इन सभी पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के लिए विभिन्न जिलों में तैनात किया जाएगा। पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों के महत्व पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, विभिन्न रैंकों के इन नए भर्ती पुलिस जवानों ने महाराजा रणजीत सिंह पंजाब पुलिस अकादमी, फिल्लौर, पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर, जहान खेलां (होशियारपुर) और इन-सर्विस ट्रेनिंग सेंटर, कपूरथला में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा, मार्च, 2022 से लेकर अब तक पंजाब सरकार ने विभिन्न कैडरों और रैंकों के 12,010 से अधिक पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र जारी किए हैं। इनमें 1,062 सब-इंस्पेक्टर, 450 हेड कांस्टेबल, 10,098 कांस्टेबल और 400 सिविलियन स्टाफ शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न पंजाब पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार के तहत भर्ती प्रक्रिया निरंतर जारी रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, पंजाब पुलिस भर्ती प्रक्रिया हर साल जारी रही है। शेष पृष्ठ 3 पर

अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, आरोपी कपल न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाईकोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसके पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सब कुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ गलत व्यवहार का मामला खुद बहुत गंभीरता से लेते हैं। मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। दिल्ली में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई कर रहे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज

यादगीर (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल फिर विवादों में हैं। पुलिस ने बताया कि शिवाजी जयंती समारोह के दौरान कथित तौर पर हेट स्पीच (नफरत फैलाने वाला भाषण) देने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि जिले के गुरुमठकल कस्बे में शिवाजी जयंती के मौके पर एक भव्य जुलूस के बाद आयोजित कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और तभी यह घटना हुई। प्राथमिकी के अनुसार, यतनाल ने अपने भाषण के दौरान कथित तौर पर कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर एक हिंदी कविता उद्धृत की और महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी कहा। उन्होंने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाकर ''लव जिहाद'' का भी जिक्र किया और कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस ने बताया कि इस भाषण के बाद समाचार और सोशल मीडिया मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें कई लोगों ने नेता पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाषण की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच और उसकी प्रतिलिपि तैयार करने सहित प्रारंभिक जांच के बाद जिला पुलिस कार्यालय से कानूनी राय मांगी गई।

वंदे भारत की चपेट में आने से पति-पत्नी और बच्ची की मौत

पाकुड़ (एजेंसी)। पाकुड़-रामपुरहाट रेलखंड के बीच नवीनगर स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक हादसे में पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हुई है। तीनों की जान वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चली गई। जानकारी के अनुसार, देर रात तेज रफ्तार से गुजर रही ट्रेन की चपेट में अचानक तीन लोग आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीनों ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची गई है। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान राजा पाड़ा के चंदन सरदार (35), उनकी पत्नी रिम्पा (25) और बेटी अर्पिता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, हमने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को ईस्टर्न रेलवे के हावड़ा डिवीजन में नगरनबी रेलवे स्टेशन के पास हुई। जब न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही थी, तब परिवार रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

देश में करीब 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते... एआईएमआईएम नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास खुली मीट मछली की दुकानों पर बैन के मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बैन पर एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा, यह मुख्य रूप से साफ-सफाई से जुड़ा मामला है। लेकिन अगर कोई मछली और मीट पर नाराजगी जाहिर करता है, तब मैं बताना चाहूंगा कि देश में लगभग 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते हैं। उन्होंने कहा, यह एक राजनैतिक एजेंडा है, प्रोटीन कैसे मिलेगा बच्चों को? आप अमेरिका में देखिए, दुनिया भर के तमाम विश्वविद्यालयों में बच्चों को अंडे दिए जाते हैं। कौन कहता है कि गंदगी करते हैं, उसके लिए कानून बनाए। उन्होंने कहा, यह मामला साफ-सफाई का है, साफ-सफाई के लिए हम भारतीय वैसे ही बदनाम है, अगर कोई इस मामले को मांस मछली तक लेकर जाएगा जो देश के 90 फीसदी हिंदू भाई मांस, मछली और अंडा खाते हैं। होली में आप क्यों नहीं बोलते हैं जो लंबी-लंबी लाइन लगती है। खुद के इनके बच्चे जो अमेरिका में पढ़ते हैं, वे क्या खाते हैं, पूछिए इनसे। इस मामले की अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल यह अच्छी बात है कि धार्मिक स्थल और शिक्षण संस्थानों के आसपास मीट-मछली की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमें इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि संविधान में खाने के अधिकार का भी प्रावधान है, जिसके तहत भारतीयों को कुछ भी खाने का अधिकार है।

यूपी में पीसीएस अधिकारी ने मांगी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, स्वास्थ्य बताया कारण

लखनऊ (एजेंसी)। पीसीएस अधिकारी सुबोध मणि शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांगी है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। वे इस समय प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्हें साल 2024 में तहसीलदार से उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नियुक्ति विभाग को वीआरएस के लिए भेजे प्रार्थना पत्र में सुबोधमणि शर्मा ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अब नौकरी नहीं कर पाने की बात लिखी है। उन्होंने आवेदन पर विचार करते हुए जल्द वीआरएस देने की मांग की है। नियुक्ति विभाग उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उनके वीआरएस स्वीकृत हो जाएगा।

राज्यसभा चुनाव में इस बार सहयोगियों के सहारे कांग्रेस... मिलकर बना रही समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने वाले है। कांग्रेस ने कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाकर अपनी रणनीति बना ली है। तमिलनाडु में डीएमके के समर्थन से पवन खेड़ा का नाम आगे बढ़ाया गया है, जबकि बिहार और तेलंगाना में एक सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

इन चुनावों में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 2-2 तथा हिमाचल की 1 सीट पर मतदान होना है। विधानसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर अलग-अलग राज्यों में अलग समीकरण बनाते दिख रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने डीएमके के साथ एक सीट पर अपने उम्मीदवार के तौर पर पवन खेड़ा का नाम आगे कर दिया है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मुलाकात में इस पर सहमति बन गई है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर डीएमके चार सीटें जीत सकती है और एआईएडीएमके एक सीट हासिल कर सकती है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है।

बिहार की पांच सीटों में एनडीए के पास 202 विधायक हैं, जिससे एनडीए चार सीटों पर जीत दर्ज कर सकता है। पांचवीं सीट के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। महागठबंधन के पास कुल 35 विधायक हैं और महागठबंधन को अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। एआईएमआईएम के 5 विधायक और बसपा के 1 विधायक की भूमिका अहम हो जाती है।

वहीं तेलंगाना में दो सीटों पर चुनाव होना है। एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए है। कांग्रेस के पास 66 विधायक है और सीपीआई का एक विधायक समर्थन में है। बीआरएस के पास आधिकारिक तौर पर 37 विधायक है, जबकि भाजपा के 8 और एआईएमआईएम के 7 विधायक हैं। बीआरएस द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबला त्रिकोणीय हुआ है। कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी का नाम फिर से चर्चा में आ गया है।

हिमाचल प्रदेश की सीट के लिए कांग्रेस ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पार्टी संभावित नामों पर में आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह के नाम शामिल हैं। पिछली बार क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं पश्चिम बंगाल की पांच सीटों में तृणमूल कांग्रेस चार सीटों पर दावा है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है। यह सीट फिलहाल वाम दल के पास है लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में वाम दलों की बुरी हार के बाद भाजपा इस पर बढ़त बना सकती है। ओडिशा की 4 सीटों में से बीजेपी 3 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि बीजेडी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। असम की 3 सीटों में बीजेपी 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ साथ मिलकर उम्मीदवार उतार सकते हैं। हरियाणा की 2 सीटों और छत्तीसगढ़ की दो सीटों पर भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है।

भगवान वेंकटेश के लड्डू प्रसाद की जांच करेगी इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक

-तिरुपति में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

अमरावती (एजेंसी)। देश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने के बाद ऐसा भविष्य में नहीं हो इसके लिए तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद की सामग्री जांच के लिए अत्याधुनिक खाद्य प्रयोगशाला स्थापित हो रही है। इसके बारे में जानकारी देकर आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि तिरुपति जिले के तिरुमाला में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला अगले महीने से काम करना शुरू करेगी। खाद्य मंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह बयान दिया। आंध्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के बीच अक्टूबर 2024 में हस्ताक्षरित समझौते के बाद प्रयोगशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए करीब 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। आंध्र सरकार में मंत्री यादव ने बताया कि इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं, लेकिन मुख्य उपकरण इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक होगी। जिन्हें फ्रांस से 35 लाख रुपये की लागत से आयात किया गया है। मंत्री यादव ने बताया कि यह उपकरण घी की शुद्धता, स्वाद, गंध और बनावट में होने वाले सूक्ष्म बदलावों का भी पता लगा सकते है। यह प्रसिद्ध लड्डू और अन्य प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रयोगशाला में कच्चे माल की ताजगी का पता लगाने वाले सेंसर और माइक्रोबायोलॉजी परीक्षकों सहित दर्जनों अन्य उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रयोगशाला में परीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि भक्तों को परोसे जाने वाले लड्डू और प्रसाद उच्चतम गुणवत्ता के हों। लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगले महीने से परिचालन शुरू हो सकता है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड पहचान के रुप में मान्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड सिर्फ पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। इन्हें सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी हो। वरिष्ठ वकील डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाकर पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अपने दम पर पहचान का आधार नहीं बन सकता।

बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर के फेज 2 के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। यहां पर 28 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच खींचतान चल रही है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 के अपने आदेश का हवाला देकर कहा कि जो दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले मिले थे, उन्हें संबंधित ईआरओ और एईआरओ गुरुवार शाम 5 बजे तक न्यायिक अधिकारियों के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जन्मतिथि और पिता का नाम साबित करने के लिए मार्कशीट के साथ एडमिट कार्ड दिया जा सकता है। लेकिन एडमिट कार्ड सिर्फ मान्य नहीं होगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाया सवाल... 247 से अधिक विदेशी यात्राएं राहुल गांधी ने क्यों की

नेहरू ने भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर गंभीर आरोप लगा दिए है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह समझौता मिशन की कहानी है, जिसमें देश के हितों से समझौता कर परिवार के हितों को प्राथमिकता दी गई। नवीन ने कहा कि एक वक्त जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 45 करोड़ लोग उनके लिए एक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 1954 में किस प्रकार नेहरू ने बिना किसी रिवॉर्ड के तिब्बत में भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर रक्षा सौदों के जरिए निजी बैंक खाते भरने के आरोप लगाए। नवीन ने राजीव गांधी के कार्यकाल का जिक्र कर कहा कि तब रक्षा सेवाओं का उपयोग निजी वित्तीय हितों को मजबूत करने के लिए हुआ।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देकर कहा कि कांग्रेस का चुनावी इतिहास सीआईए की फंडिंग से दागदार रहा है। बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से उन्होंने सुपर प्रधानमंत्री की तरह काम किया और मनमोहन सरकार के साथ एक समानांतर सरकार चलाई। उन्होंने दावा किया कि इसी अवधि में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी सरकार और निवेशक जॉर्ज सोरोस के नेटवर्क से बड़ी फंडिंग मिली।राहुल गांधी को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नकारात्मक राजनीति का चेहरा माना जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने 247 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं, जिसमें से कई में सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के पीछे क्या उद्देश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी नेताओं, जैसे इल्हान ओमर और जॉर्ज सोरोस से मुलाकातें भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि आज हमारे देश का युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यदि किसी भी तरह से उन्हें गुमराह करने की कोशिश होती है, तब यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इस तथाकथित समझौता मिशन को समझ चुकी है और देशहित को सर्वोपरि मानती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर जनता सजग है और भविष्य में वही नेतृत्व स्वीकार करेगी जो देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हो।

कांग्रेस का 'शर्टलेस' प्रदर्शन... वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी को लताड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय युवा कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना कर इस प्रदर्शन को वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश बताया। उन्होंने कई पोस्ट कर कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आरोप लगाया कि एआई शिखर सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में बिना शर्ट पहने प्रदर्शनकारियों को भेजना देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इस हरकत को कांग्रेस की ÷समझौतावादी विरासत÷ का विस्तार बताया और पूर्व कांग्रेस सरकारों के फैसलों का हवाला दिया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से जुड़े कथित प्रस्ताव, राजीव गांधी के समय हुए बोफोर्स तोप सौदे विवाद और इंदिरा गांधी के दौरान कच्चातीवू समझौते का उल्लेख कर कांग्रेस पर राष्ट्रीय हितों से समझौते के आरोप लगाए।

वहीं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी राहुल गांधी की 2024 की अमेरिका यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र पर चर्चा के नाम पर हुई इस यात्रा में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से कथित रूप से जुड़े नेटवर्क के लोगों से मुलाकात ने संदेह पैदा किया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने दावा किया कि इन मुलाकातों में कतर की कथित मध्यस्थ भूमिका रही। दूसरी ओर, भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने विरोध का बचाव करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर एआई समिट में देश की पहचान से समझौता करने का आरोप लगाया गया। भारत मंडपम में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्ट उतारकर असहमति जताई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति को एक बार फिर तेज कर दिया है, जहां दोनों दल राष्ट्रीय हित, पारदर्शिता और वैश्विक छवि के मुद्दे पर आमने-सामने हैं।

रोहित पवार का बड़ा आरोप, मुंबई पुलिस ने अजित विमान हादसे पर एफआईआर से किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी शरद गुट के नेता और स्व.अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने अजीत दादा के विमान हादसे के मामले में एफआईआर दर्ज ना करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन उनका दावा है कि मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करने से इंकार किया।

एनसीपी नेता पवार ने बताया कि पुलिस स्टेशन में कनिष्ठ अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मौजूद थे, जिनके पास एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है। बातचीत के बाद अधिकारी लैपटॉप लेकर आए और एफआईआर प्रिंट करने की प्रक्रिया शुरू की। तभी अतिरिक्त डीसीपी स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया। रोहित पवार ने कहा कि नए कानून के तहत किसी भी संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है

और यह प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

पुलिस स्टेशन जाने से पहले उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित एफआईआर कई पक्षों के खिलाफ है, जिसमें वीएसआर के सहयोगी,डीजीसीए के संबंधित अधिकारी, उड़ान को मंजूरी देने वाली कंपनी एरो तथा राज्य सरकार से जुड़े एरो समूह के अधिकारी शामिल हैं। एक पांचवीं एफआईआर में नाम गोपनीय रखने की बात कही गई है, क्योंकि कुछ लोग आपराधिक साजिश मान रहे हैं। रोहित पवार ने वीएसआर कंपनी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के बीच कथित संबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वीएसआर के भाजपा नेताओं, विशेषकर बीजेपी से जुड़े लोगों के साथ करीबी संबंधों के कारण सीधे कार्रवाई नहीं की गई।

भारतीयों में बढ़ा परोपकार का जज्बा: 540 अरब डॉलर पहुंचा दान का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में परोपकार और दान देने की संस्कृति न केवल समृद्ध हो रही है, बल्कि यह एक विशाल बाजार के रूप में उभर रही है। एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, देश में परोपकार के बाजार का आकार वर्ष 2023 के 370 अरब डॉलर से प्रभावशाली बढ़त दर्ज करते हुए अब 540 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि न केवल आर्थिक संपन्नता को दर्शाती है, बल्कि समाज के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बढ़ते भाव को भी रेखांकित करती है। अशोक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट ऐंड द फिलैंथ्रॉपी (सीएसआईपी) द्वारा हाऊ इंडिया गिव्स-2025-26 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत में दान का प्रवाह केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की सीएसआर गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आम घरों से आने वाले निरंतर और गुमनाम दान की बहुत बड़ी भूमिका है।

इस अध्ययन की सबसे प्रेरक बात यह है कि दान देने वालों में केवल अमीर तबका ही शामिल नहीं है, बल्कि सीमित संसाधनों वाले लोग भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि 8,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले परिवारों में भी दान करने की प्रवृत्ति निरंतर बनी हुई है। यहाँ तक कि 4,000 से 5,000 रुपये के न्यूनतम मासिक उपभोग स्तर वाले आधे परिवार भी नियमित रूप से दान करते हैं। जैसे-जैसे आय और उपभोग का स्तर बढ़ता है, दान में भागीदारी का यह स्तर 70 से 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि परोपकार केवल विलासिता का हिस्सा है; यह भारतीय समाज की जड़ों में रची-बसी एक अनिवार्य आदत के रूप में उभरा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 68 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी रूप में परोपकारी कार्यों से जुड़े हैं। इनमें से 48 प्रतिशत लोग वस्तु के रूप में दान करना पसंद करते हैं, जिसमें भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक घरेलू सामान शामिल हैं। वहीं, 44 प्रतिशत लोग नकद दान के माध्यम से मदद पहुंचाते हैं और 30 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो विभिन्न गैर-लाभकारी संस्थाओं या धार्मिक समूहों के साथ स्वयंसेवक के रूप में अपना समय और श्रम दान करते हैं। हालांकि धार्मिक संगठनों और जरूरतमंदों को प्रत्यक्ष रूप से की जाने वाली मदद अभी भी सबसे बड़ा हिस्सा है, लेकिन अब सामाजिक कारणों के लिए दान देने की प्रवृत्ति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो एक परिपक्व समाज का संकेत है। यह व्यापक सर्वेक्षण देश के 20 राज्यों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 7,000 लोगों के बीच किया गया। इस अध्ययन का आधार राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के उपभोग डेटा को बनाया गया, जिससे रोजमर्रा के दानदाताओं का सटीक प्रोफाइल तैयार करने में मदद मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जिस तरह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और घरेलू उपभोग में वृद्धि हो रही है, आने वाले समय में रोजमर्रा के दान का यह क्षेत्र और अधिक संगठित और विस्तृत होगा। यह रिपोर्ट साबित करती है कि परोपकार का भारतीय मॉडल व्यक्तिगत करुणा और सामुदायिक जुड़ाव पर टिका है, जहाँ हर वर्ग अपनी क्षमता अनुसार समाज के उत्थान में योगदान दे रहा है।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से लड़ रही पंजाब पुलिसः मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसी क्रम में वर्ष 2025 से 1,900 से अधिक भर्ती किए गए जवानों के लिए बुनियादी प्रशिक्षण मार्च, 2026 में शुरू हो गया। इसी तरह 1,746 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और उन्हें शीघ्र ही नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2026 में की जाने वाली 3,400 पुलिस जवानों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी। तकनीकी अपग्रेडेशन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार पंजाब पुलिस को तकनीकी रूप से सुसज्जित करने और अधिक सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब देश का पहला राज्य है जिसने तकनीकी विशेषज्ञता में दक्ष 182 सब-इंस्पेक्टरों की भर्ती की है, जिनमें 112 तकनीकी विशेषज्ञ, 11 फॉरेंसिक विशेषज्ञ, एच.आर. मैनेजर और 30 काउंसलर तथा तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले 1,547 कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस भर्ती का मुख्य उद्देश्य अपनी तकनीकी सेवाओं विंग के माध्यम से साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, गैंगस्टर, आतंकवाद, नशीले पदार्थों और इस प्रकार के अपराधों का मुकाबला करना है। उन्होंने कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि इनमें से अधिकांश अधिकारी बी.टेक, एम.टेक और एल.एल.बी. जैसी योग्यताएं रखते हैं। विशेष भर्ती के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब पुलिस के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन विंग ने 125 कानूनी अधिकारी, 21 फॉरेंसिक विशेषज्ञ, 196 आई.टी. विशेषज्ञ और 77 वित्तीय विशेषज्ञ भर्ती किए हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और विभिन्न पंजाब पुलिस इकाइयों में तैनात होकर अपनी पेशेवर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सड़क सुरक्षा फोर्स के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सड़क हादसों को रोकने के लिए पंजाब सरकार ने सड़क सुरक्षा फोर्स का गठन किया है, जो पूरे राज्य में हादसे के पीड़ितों को तुरंत सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा, सड़क सुरक्षा फोर्स 146 नए वाहनों और आधुनिक उपकरणों से लैस है, जिससे अब तक 46,399 जानें बचाई गई हैं और घायलों को तुरंत सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने आगे कहा, पुलिसिंग के इस अनूठे प्रयास ने दुनिया भर से सराहना प्राप्त की है और राज्य 6 मिनट 20 सेकंड के भीतर हादसे के स्थान पर पहुंचकर सहायता देने वाली विशेष फोर्स वाला पहला राज्य बनकर उभरा है। भगवंत सिंह मान ने कहा, एस.एस.एफ. को हर 30 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप हादसों के कारण होने वाली मौतों में 48 प्रतिशत की कमी आई है, जिसकी भारत सरकार ने भी प्रशंसा की है। 'युद्ध नशे विरुद्ध' का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, नशे की लत को समाप्त करने के लिए एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को आधुनिक और अपग्रेड किया गया है, जिसमें आई.टी. बुनियादी ढांचा भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने मार्च, 2025 में 'युद्ध नशे विरुद्ध' अभियान शुरू किया था, जिसके तहत 50,238 से अधिक गिरफ्तारियां, 35,133 एफ.आई.आर. और बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनमें 2,230 किलोग्राम हेरोइन, 668 किलोग्राम अफीम और 29 टन भुक्की शामिल है। उन्होंने कहा, नशों की सप्लाई लाइन तोड़ दी गई है और आम लोगों के सक्रिय सहयोग से निचले स्तर पर नशीले पदार्थों का खात्मा किया जा रहा है। पुनर्वास के प्रयासों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं को नशों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ नशा मुक्ति केंद्रों को मुफ्त परामर्श सेवाएं और दवाइयां प्रदान की जा रही हैं। पुलिस फोर्स की भूमिका के बारे में बात करते हुए मंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब पुलिस ने हमेशा देश की एकता और अखंडता की रक्षा तथा सीमावर्ती राज्य पंजाब में शांति बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाई है। उन्होंने आगे कहा, हमारे पुलिस कर्मियों के बलिदानों के कारण पंजाब में शांति बरकरार रही है। बाहरी खतरों के बारे में चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते, पंजाब को पड़ोसी देशों की ओर से हमारे युवाओं को गुमराह करने और पंजाब को काले दौर में वापस धकेलने की नापाक कोशिशों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पंजाब पुलिस कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और दुश्मन ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी ताकत से अपना कर्तव्य निभाती रहेगी। उन्होंने आगे कहा, पंजाब पुलिस अपनी जान की परवाह किए बिना राज्य और देश की सेवा करने की अपनी शानदार विरासत को हमेशा कायम रखेगी। हाल ही की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, दो पुलिस कर्मियों को शहीद करने के जघन्य अपराध के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पाकिस्तान समर्थित ताकतों ने ऐसी घिनौनी कार्रवाई के जरिए पुलिस फोर्स के मनोबल को ठेस पहुंचाने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा, ये नापाक ताकतें भूल गई थीं कि बहादुर पंजाब पुलिस फोर्स राज्य में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शती। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब पुलिस बड़ी मेहनत से हासिल की गई राज्य की शांति को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। प्रशिक्षण ढांचे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार ने पंजाब भर में अत्याधुनिक पुलिस प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं, जिनका देश भर में शायद ही कोई मुकाबला हो। उन्होंने आगे कहा, देश भर के कई राज्य आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पंजाब पुलिस से संपर्क करते हैं। न केवल देश भर से, बल्कि अन्य देशों की कई फोर्स भी अपनी पुलिस फोर्स को प्रशिक्षण देने के लिए पंजाब से संपर्क करती हैं। आधुनिक तकनीक के उपयोग के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार ने पंजाब पुलिस की दक्षता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक पेश की है, ताकि इसे देश की अग्रणी फोर्स बनाया जा सके। उन्होंने कहा, यह पहल राज्य में पुलिसिंग को और बेहतर बनाने तथा कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में बेहद अहम भूमिका निभाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा, यह पुलिस फोर्स को बेहतर प्रथाओं से लैस करने और वैज्ञानिक तरीके से इसे विकसित करने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा, सीमावर्ती राज्य होने के कारण, राज्य विरोधी ताकतें प्राप्त की गई पंजाब की शांति को भंग करने के लिए नापाक मंसूबे रच रही हैं, लेकिन पंजाब पुलिस ने हमेशा ही ऐसी कोशिशों को नाकाम किया है। उन्होंने आगे कहा, राज्य को दरपेश बड़ी चुनौतियों को दूर करने के लिए यह बेहद जरूरी है कि पुलिस फोर्स को जांच, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उन्नत आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट किया जाए। भगवंत सिंह मान ने आशा व्यक्त की कि पंजाब पुलिस पूरी पेशेवराना ढंग से लोगों की सेवा करने की अपनी शानदार विरासत को हमेशा बरकरार रखेगी। नव-नियुक्तों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह आपके लिए एक यादगार पल है क्योंकि आप पंजाब पुलिस परिवार का अभिन्न अंग बन गए हो। उन्होंने नव-नियुक्त जवानों को अपनी ड्यूटी पूरी लगन, कड़ी मेहनत और वचनबद्धता के साथ निभाने के लिए कहा ताकि राज्य की तरक्की और लोगों की खुशहाली में अहम योगदान दिया जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा, पुलिस मुलाजिमों को आम लोगों की मुश्किलों को कम करने और उन्हें इंसाफ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इससे पहले डी.जी.पी. पंजाब गौरव यादव ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और नव-नियुक्त जवानों को बधाई दी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने परेड का निरीक्षण किया और बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को सम्मानित किया। समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने परेड का व्यापक निरीक्षण किया, मार्चिंग टुकड़ियों का नजदीक से जायजा लिया और कार्रवाई की निगरानी कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की।

कैंसर पीड़ित बेटी के इलाज के लिए आए विदेशी नागरिक के डॉलर चोरी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। सेंट्रल जिले के थाना जामा मस्जिद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, उज्बेकिस्तान के एक नागरिक से 7200 अमेरिकी डॉलर की चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड पिता और उसके दो नाबालिग बच्चों को पकड़ा है। यह घटना तब हुई जब पीड़ित परिवार दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में घूमने आया था। पीड़ित उज्बेकिस्तान का नागरिक है, जो अपनी नाबालिग बेटी के कैंसर के इलाज के लिए गुरुग्राम आया हुआ था। 15 जनवरी को वह अपने परिवार के साथ जामा मस्जिद मार्केट में घूम रहा था, तभी उसके बैग से 7200 अमेरिकी डॉलर (100-100 डॉलर के 72 नोट) चोरी हो गए। घटना के तुरंत बाद, पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इस जांच के दौरान न्यू सीलमपुर निवासी एक 15 वर्षीय लड़का और उसकी 13 वर्षीय बहन को संदिग्ध के रूप में चिन्हित किया गया। दोनों

को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया। पूछताछ में पता चला कि ये दोनों नाबालिग बच्चे अपने पिता के कहने पर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, पिता ही इस पूरे गिरोह का सरगना था। वह बच्चों को आगे करके खुद को बचाने का प्रयास करता था और चोरी की गई रकम को अपने पास रखता था। मामले की गंभीरता को समझते हुए, पुलिस ने आरोपी पिता को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई रकम का एक बड़ा हिस्सा बरामद किया है। गिरफ्तार पिता के पास से 2500 अमेरिकी डॉलर और शिकायतकर्ता का एटीएम कार्ड बरामद हुआ। इसके अलावा, तलाशी के दौरान, आरोपी के घर से 4000 अमेरिकी डॉलर भी मिले। चोरी की रकम से खरीदा गया 48 हजार रुपये का एक मोबाइल फोन और 4700 रुपये भारतीय मुद्रा भी जब्त की गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पिता का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी लूट के एक मामले में संलिप्त पाया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह एक आदतन अपराधी है।

Public Notice

I hitherto known as SYED SAIFUR REHMAN, Son of SYED HIFZUR REHMAN, residing at House No. 2773, Gali Garahiya, Kucha Chelan, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi – 110002 have changed my name and shall hereafter be known as SYED MOHD SAIFUR REHMAN.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR S/O DESHRAJ R/O H No F2-526, Block-F2, Sunder Nagri, Nand Nagri, Po: Nand Nagri, Dist: Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son DEVENDRA KUMAR SHAU aged 14 years and he shall hereafter be known as DIVYANSH SAHU.

Public Notice

I, Mohammad Abid, S/o Mohd Sultan, R/o 464, Gali Bahar Wali, Chhatta Lal Mian, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi-110002, do hereby declare that in my daughter's 10th Class Marksheet, Birth Certificate and Aadhaar Card, her name is recorded as Ayesha, whereas in her OBC Certificate, her name is mentioned as Ayesha Abid. I state that Ayesha and Ayesha Abid are one and the same person. For all future purposes, she shall be known by the name Ayesha.

NAME CHANGE

I Dama Ram S/o Thakara Ram R/o Buran Ka Tala, Barmer, Rajasthan - 344702, have changed my name to Dinesh Suthar

NAME CHANGE

I Bhala Ram S/o Baka Ram R/o Sarala, Barmer, Sarla, Rajasthan - 344706, have changed my name to Prakash Suthar

NAME CHANGE

I Ramesh Kumar S/o Harbir Sharma R/o 755, Gali No-3, New Sainik Colony, Sardhana Road, Kanker Khera, Meerut, Uttar Pradesh - 250001, have changed my name to Ramesh Kumar Sharma

NAME CHANGE

I, Seema Gupta W/o Late Jitendra Kumar R/o 1/84, Vipul Khand, Gomtinagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226010, have changed my minor Son name from Augustya Jauhari Aged 17 Years to Augustya Kumar Jauhari forever

NAME CHANGE

I Sonu Pandey S/o Yogendra Pandey R/o House Number-1A/1, Defence Colony, Near Shyampuram Colony, Kharakpur Devipura, PO-Kashipur, Dist-Udham Singh Nagar, Uttarakhand - 244713, have changed my name to Arvind Sauam

NAME CHANGE

I, SUDHA DEVI W/O RAJ KUMAR R/O Ganpati Vihar, Sardhana Road, Near Nangla Tashi, kanker Khera, PO: Meerut Cantt, DIST: Meerut, Uttar Pradesh-250001, have changed my name and shall hereafter be known as SUDHA.

सार्वजनिक सूचना

मैं सुनील कुमार पुत्र जसवंत सिंह निवासी मकान नंबर 14/81, त्रिलोक पुरी, दिल्ली-110091, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने हिंदू धर्म का त्याग कर इस्लाम धर्म अपना लिया है और भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम सुनील कुमार से बदलकर मो.अहमद कर लिया है।

NAME CHANGE

I, marya Noor W/O Farhan Ahmad R/O 1649, Gali Sayyadan, Pahari Bhojla, Chitli Qabar, Jama Masjid, Delhi G.P.O., PO: Delhi G.p.o., DIST: North Delhi, Delhi-110006, changed my name to Mariya Noor.

NAME CHANGE

It is for general information that I, POONAM SAHANI W/O VIKRAM PRASAD SAHNI R/O H NO 517, KEEL FACTORY WALI GALI, KAPASHERA, PO: GURGAON ROAD, DIST: SOUTH WEST DELHI, DELHI-110037, declare that name of mine, my husband and my daughter has been wrongly written as POONAM, VIKRAM and AARUSHI in her School Record. And declare that name of mine has been wrongly written as POONAM SAHNI in her birth certificate-0125-1030816764112. The actual name of mine POONAM SAHANI, VIKRAM PRASAD SAHNI and AARUSHI SAHNI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, AJAY KUMAR S/O VIRENDER SINGH R/O Plot No- 508,509 Gopal Nagar, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043 have changed the name of my minor son LIVYANSH YADAV aged 06 years and he shall hereafter be known as LAVISH.

NAME CHANGE

I ANNU W/O SHAHID ALI R/O S-221/209 NEAR GURU GOBIND SINGH HOSPITAL VISHNU GARDEN DELHI- 110018, I have changed my name to ANU Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KOSAR ALI W/O SHAHID ALI R/O H.NO -S 221/18 NEAR GALI NO 4 VISHNU GARDEN DELHI-110018 , I have changed my name to KOSAR KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I Sumant Devi W/o Nandkishor Sah R/o Gram-Parsathua, Post-Kathrain, Parsathua, Post-Kathrain, Rohtas, Bihar - 821108, have changed my name to Gudi Devi

NAME CHANGE

I POONAM BHUTANI W/O ASHISH KUMAR R/O 195 D U/G/F BLOCK G 1 UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to POONAM GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD FAHIM AHMAD S/O MOHAMMAD SHAMIM AHMAD R/O B-102 ,2ND FLOOR, DUGGAL COLONY KHANPUR DELHI- 110062 have changed my name to MD FAHIM AHMAD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Mohd. Aslam S/o Mohd. Sarauddin, R/o Som Bazar, Pooja Colony, Loni Dehat, PO: Loni, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as Mohd. Islam

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mahkar Singh S/o Bhagmal Singh R/o Makauda, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 declare that name of my wife has been wrongly written as Savita in my minor son Vansh Bhati aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife is Sweta.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्वकिलगण अशोक कुमार पुत्र स्व0 शोभाराम एवं सरोज पत्नी श्री अशोक कुमार निवासीगण-ए-327, कुसुमपुर पहाड़ी, वसंत विहार नई दिल्ली ने अपने पुत्र विशाल एवं उसकी पत्नी बबीता व इनकी बेटी तिशा व विक्की, विक्की की पत्नी सोनिया एवं इनकी बेटी पल्लवी को इनके द्वारा गाली गलौच करने व मेरे मुव्वकिलगण को मारने की धमकी देने आदि गलत आचरण के कारण अपनी तमाम सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं और मेरे मुव्वकिलगण ने अपने दोनो बेटों को उनको एक-एक मकान जो मेरी मुव्वकिल की पत्नी सरोज के नाम था जिसका नम्बर ए-349, कुसुमपुर पहाडी वसंत विहार नई दिल्ली है को मेरे मुव्वकिल की पत्नी ने विशाल व उसके बच्चों के नाम कर दिया और दूसरा मकान नम्बर ए-327, वसंत विहार नई दिल्ली-110057 जो मेरे मुव्वकिल अशोक कुमार के नाम था वह मेरे मुव्वकिल अशोक कुमार ने विक्की एवं उसकी बेटी के नाम कर दिया है। अब मेरे मुव्वकिलगण का उपरोक्त दोनो बेटों इनकी पत्नियों एवं बच्चों से किसी प्रकार का कोई लेना देना नही है। भविष्य में उपरोक्त लोगों के द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य की जिम्मेदारी मेरे मुव्वकिलगण की नही होगी और भविष्य में मेरा छोटा पुत्र जिसका नाम अभिषेक और मेरा एक खोया हुआ पुत्र निखिल अगर वह भविष्य मे मिलता है तो इन सब से ही मेरा लेनदेन होगा। और आज के बाद मेरे मुव्वकिलगण का मेरी चल एवं अचल सम्पत्ति से कोई लेना देना नही होगा।

फिरोज हैदर अधिवक्ता
Ch.No. 950, Patiala House Court, New Delhi-110001

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Rohit Jolly is the absolute owner of Freehold Residential House No. 07, New No. 10, area measuring 100 Sq. Yards., Situated at Purv Duli Chand, Nasratpura, Tehsil and District Ghaziabad U.P. by virtue, Regd. Will dated 12.02.2008 as Doc. No. 36, Vol. No. 445, in the Book No. 03, on Pages No. 35-42, regd., on dated 12.02.2008, in the SRO-I Ghaziabad.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Probate Order/Mutation regarding will dated 12.02.2008 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Second Floor, With Roof Rights., area measuring 68.90 Sq. Meters., sold too be Mrs. Usha Rangi and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Be it know to all that my clients MD. Naseem s/o MD. Zamil and Farida Khatoon w/o MD. Naseem both R/o CH. 613 Isirieal Camp Rang Puri Pahari, New Delhi -37 have disowned their son namely Altaf from their all movable and immovable properties and my clients have served all relation with their son namely Altaf. That if, any body deal with my clients son namely Altaf and if Altaf done any wrongful act, Altaf will do on his own responsibility any my clients shall not held responsible for any wrongful act done by my clients son Altaf.

Nikhil Gautam
Mob. 8800128047
Ch.No. 651 Dwarka District Court
New Delhi 75

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Kuldeep Singh & K.S. ENTERPRISES** is purchasing the Built Up Property bearing no. C-99, land admeasuring 100 Sq. yards, out of Khasra no. 355, situated in the area of village Bindapur, colony known as Vishwas park, Uttam Nagar, New Delhi- 110059. from **Mrs. Bhavya Manchanda and Mrs. Manu Manchanda** who are the owner of the abovementioned property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 26.05.2010, GPA is registered as doc. no. 5574, book no.4, Vol. no. 12768, Page no. 193 to 199, on 26.05.2010, SRO- II-Janakpuri, and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within a weeks' time from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I PARMINDER S/O LATE JAGIR SINGH, R/O 1409A/13 THIRD FLOOR, GOVIND PURI, KALKA JI, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO PARMINDER SINGH FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I hitherto known as ABHYA SHARMA S/O VIRENDRA SWAROOP SHARMA R/O 26-B Gandhi Park, Hauz Rani, PO, Dist- South Delhi, Delhi-110017 have changed my name and shall hereafter be known as ABHAY SHARMA.

Public Notice

It is for general information that I VIKASH KUMAR JHA S/O GUNANAND JHA R/O H.NO-64/4, J-2-B, SANGAM VIHAR, HAMDARD NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110062 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as VIKAS KUMAR JHA and BEAUTY KUMARI in my minor son namely DAKSH KUMAR JHA aged 8 yeas in his school record. The actual name of mine and my wife are VIKASH KUMAR JHA and BEAUTY JHA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VIKAS KUMAR S/O POORAN SINGH R/O WZ-1-A, S/F, Tatarpur, Tagore Garden, Po: Tagore Garden, Dist: West Delhi, Delhi-110027 have changed the name of my minor son ARSH PHOGAT aged 05 years and he shall hereafter be known as ISHIT PHOGAT.

NAME CHANGE

I, SUNITA DEVI is a real mother of No 15717517A Rank L/NK Name RAHUL RATHI presently residing VILL-GEJHA, PO-MOHIUDDINPUR, TEH-MEERUT, DIST-MEERUT, (UTTAR PRADESH)-250205 have changed my name from SUNITA DEVI TO SUNITA for all future Purposes. Vide Affidavit Dated 25/02/2026 before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Be it know to all that my client Mr. Rajesh Kumar S/o Late. Rajendera Singh R/O H.No. H-111-A, Gali No. 04, Sitapuri Part-2 New Delhi-110045 hereby debarred and disowned her daughter Ms. Aditi from her all moveable and immovable property as she is disrespectful, cruel and not obedient towards my client therefore my client has severed with all relation with her. Anybody deals with her shall be at their/his/her own risks, costs and responsibility for which my client shall not be responsible. Now onwards Aditi cease to be his legal heir for all purposes whatsoever.

ANURAG SRIVASTAVA
ADVOCATE

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby notified by this public notice that my clientess Smt. Kamlesh W/o Late Satish, R/o 256 B, Post Office, Ujwa, Samaspur Khalsa, South West Delhi, Delhi-110073, have decided to disown her daughter Ms. Seema D/O Late Sh. Satish Kumar from her life as well as from her movable and immovable properties because she is not obedient and is not in control of my client. My client has severed all her relation with her. Anyone dealing with her may do so at his/her own risk, cost and consequences. The general public is further notified that any one from public at large deals with Ms. Seema D/O Late Sh. Satish Kumar will do at his own cost and she will have no concern with such dealing and in no manner whatsoever be responsible and cannot held accountable.

SUNNY KAJLA Advocate
DELHI HIGH COURT
Ch.No. 723, Dwarka Court
Complex, New Delhi-110075.
M-9971641686

NAME CHANGE

I, POWAR RESHMA RAJARAM, is legally mother of Army No. 2825243K, Rank – Sep, Name – POWAR NILESH RAJARAM, presently residing at Vill – Ichalkaranji, Post – Ichalkaranji, Tal – Hatkanangale, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416115, have changed my name from POWAR RESHMA RAJARAM to RESHMA RAJARAM POWAR for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, POWAR RAJARAM RAMA, is legally father of Army No. 2825243K, Rank – Sep, Name – POWAR NILESH RAJARAM, presently residing at Vill – Ichalkaranji, Post – Ichalkaranji, Tal – Hatkanangale, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416115, have changed my name from POWAR RAJARAM RAMA to RAJARAM RAMA POWAR for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, GHORPADE VASANT EKNATH, is legally father of Army No. 2813902F, Rank – Hav, Name – GHORPADE VIKRAM VASANT, presently residing at Vill – Matyapur, Post – Majgaon, Teh – Satara, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415518, have changed my name from GHORPADE VASANT EKNATH to VASANT EKANATH GHORPADE and my date of birth from 01/01/1969 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PUSHPA, is legally mother of Army No. 2813902F, Rank – Hav, Name – GHORPADE VIKRAM VASANT, presently residing at Vill – Matyapur, Post – Majgaon, Teh – Satara, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415518, have changed my name from PUSHPA to PUSHPA VASANT GHORPADE and my date of birth from 01/01/1973 to 01/06/1970 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHASHI KUMAR Alias PURAN CHAND S/O PANI RAM R/O 184, BLOCK-1, DAKSHINPURI EXTN, NEW DELHI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as PURAN CHAND.

NAME CHANGE

I hitherto Known as AYUSHI SAINI D/o VIKAS SAINI W/o ANMOL CHAUDHARY residing at 274 , Hari Nagar Ashram , Jangpura, Defence Colony, South Delhi , Delhi - 110014 have changed my name and shall hereafter be known as AYUSHI CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I Navneet Kaur Panaser W/O Jatinderpal Singh, H-1/23 Vikas Puri, New Delhi -110018 have changed my name to Navneet Kaur for all future purposes

NAME CHANGE

I Tarun S/o Uday Singh R/O village and post office basai Gurugram Haryana have to change may name tarun kumar for all purposes

NAME CHANGE

I, Vina Sahu W/o Rajendra Sahu R/o Prop No.30, Rajpur Extension, Raj Pur Khurd, Delhi-110068 have changed my name to Veena Sahu.

NAME CHANGE

I, Rinku Rani Gupta W/o Harsh Kumar R/o B-260, Omicrin-3, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.-201310 have changed my name to Rinku Gupta.

NAME CHANGE

I, RAVI PRAKASH YADAV S/O RAM PRAKASH YADAV R/O 461/5, PATEL NAGAR, GURGAON HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO RAVI PRAKASH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I SWAYAM legally son of Army no-2810038L, Rank- Sep, Name - PANSARE RAKESH ANANDA, At - Mahalpatane, Post- Mahalpatane, Teh- Deola, Dist- Nashik, State Maharashtra, Pin - 423213 have changed my name from SWAYAM to SWAYAM RAKESH PANSARE for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SWARA legally daughter of Army no- 2810038L, Rank- Sep, Name - PANSARE RAKESH ANANDA, At - Mahalpatane, Post- Mahalpatane, Teh- Deola, Dist- Nashik, State Maharashtra, Pin - 423213 have changed my name from SWARA to SWARA RAKESH PANSARE for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I VITHABAI legally mother of Army no- 2810038L, Rank- Sep, Name - PANSARE RAKESH ANANDA, At - Mahalpatane, Post- Mahalpatane, Teh- Deola, Dist- Nashik, State Maharashtra, Pin - 423213 have changed my name from VITHABAI TO VITHABAI ANANDA PANSARE and date of birth 01/01/1955 to 01/01/1946 from all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I KAVERI legally wife of Army no-2810038L, Rank- Sep, Name - PANSARE RAKESH ANANDA, At - Mahalpatane, Post- Mahalpatane, Teh- Deola, Dist- Nashik, State Maharashtra, Pin - 423213 have changed my name from KAVERI to KAVERI RAKESH PANSARE for all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I PANSARE ANANDA NAMDEV legally father of Army no- 2810038L, Rank- Sep, Name - PANSARE RAKESH ANANDA, At - Mahalpatane, Post- Mahalpatane, Teh- Deola, Dist- Nashik, State Maharashtra, Pin - 423213 have changed my name from PANSARE ANANDA NAMDEV TO ANANDA NAMDEV PANSARE and date of birth 01/01/1957 to 01/01/1945 from all future purposes. Vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR NISHAD S/o BINDESHWARI PRASAD NISHAD residing at Khasra No. 296 / 270 , House No.-170 , Gali No.-3 ,Ishu Bihar , Mukund Pur Extn., North West Delhi, Delhi - 110042 have changed the name of my minor Daughter POOJAF aged 13 Years and she shall hereafter be known as PUJA.

NAME CHANGE

I hitherto known as KANTI BALLAB S/o GANGA DUTT JOSHI R/o H.No. 65, T-HUTSARUNA Nagar, Delhi - 110054 have changed my name and shall hereafter be known as KANTI BALLABH JOSHI.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RAKESH KUMAR TIWARI S/o Basant Tiwari R/o Flat No.-J-106, Tower-Jasmine, First Floor, Ajnara Integrity, Raj Nagar Extension, Ghaziabad (Uttar Pradesh) 201001 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as RAKESH TIWARI and VIMLA TIWARI in my minor son namely ARYAN TIWARI, aged 15 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are RAKESH KUMAR TIWARI and BIMLA TIWARI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, BHAIYA LAL father of No-15440829K Rank-SEP Name-DINESHWAR SINGH residing at VILL-NEWRINAWAPARA, PO-SADHWANI, TEHSIL-PENDRA ROAD, DIST-GAURELA-PENDRA-MARWAHI, CHHATISGARH, have changed my name from BHAIYA LAL to BHAIYALAL RATHOUR for all future purposes vide Affidavit dated 25/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAMSAROOP SINGH Father of JC-483363N Rank-SUB Name-RAMESH SINGH Presently residing at VILL-NANGLI BALAHIR, PO-NANGLI BALAHIR, TEH-BEHROR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301708, have changed my name from RAMSAROOP SINGH to RAMSWARUP for all future purposes vide Affidavit dated 25/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Shadav S/o Rabban R/o 62-A, Flat No.306, Third Floor, Amritpuri Garhi, East of Kailash, Delhi-110065 have changed my name to Shadab Salmani.

NAME CHANGE

I ANIL KUMAR S/O BANSI LAL R/O H NO 13-14 NEW SEELAMPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL CHAUDHARY

NAME CHANGE

I MOHAMMAD MAHTAB ALAM S/O ABU MOHAMMAD R/O T-496 SECOND FLOOR GALI NO 17 GAUTAM PURI DELHI- 110053, I have changed my name to MD MAHTAB ALAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I HARNISH AGGARWAL S/O DHARAMPAL GOYAL R/O H.NO- 565 NEAR GIRLS GORMENT SCHOOL SECTOR 22 FARIDABAD HARYANA - 121005, I have changed my name to HARNISH KUMAR GOEL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DHARM PAL S/O PYARELAL GOYAL R/O H.NO - 565 SECTOR 22 FARIDABAD HARYANA 121005, I have changed my name to DHARAMPAL GOYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SAIHAJ KAUR SETHI D/O SURINDER SINGH SETHI R/O A-30 3RD FLOOR FRONT PORTION JANGPURA-B DELHI - 110014, I have changed my name to SAIHAJ KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

It is for general information that I KANJIRATHINKAL JOHN ROSHAN S/O KAJARATHIGAL JACOB JOHN R/o SPE - 84 B , Subroto Park Extension , Subroto Park , Afcao , PO : Dehli Cantt , South West Delhi - 110010 declare that the name of mine has been wrongly written as KAJARATHIKAL JOHN ROSHAN in my Service Record. The actual name of mine is KANJIRATHINKAL JOHN ROSHAN Which may be amended accordingly

NAME CHANGE

It is for general information that I SATISH CHANDER S/O GHANSHYAM DUTT R/O C – 1/8 B Keshav Puram Onkar Nagar , Saraswati Vihar , North West Delhi , Delhi – 110035 declare that the name of mine has been wrongly written as SATISH KUMAR in my minor son namely PIYUSH aged 13 years in his School Record. The actual name of my mine is SATISH CHANDER Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, JC-470440Y Rank-SUB Name-SUNIL KUMAR (Retd) Presently residing at VPO-KUHARWAS, TEH-BUHANA, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333034, have changed my mother's name from KAMLA DEVI to KAMALA for all future purposes vide Affidavit dated 25/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MD SALIM S/O SHAMSHAD residing at HOUSE NO-313/101-F PLOT NO OLD-26 1ST FLOOR GALI NO-17 TULSI NAGAR INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SALIM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAJILA W/O SALIM residing at HOUSE NO-313/101-F PLOT NO OLD-26 1ST FLOOR GALI NO-17 TULSI NAGAR INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SAJEELA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Fakira Shankar Landge S/o Shankar Landge Resident of Village - Mandalewadi, PO - Wadgaonpeer, Teh - Ambegaon, Dist. - Pune, State - Maharashtra Pin-410510 My Son Landge Vilas Fakira Posted at Bihar Regt Center C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my name From Fakira to Fakira Shankar Landge & DOB From 24 June 1962 to 01 June 1960 for All future purposes. My Aadhar bearing No. 425861367120. Vide Affidavit Dated 25 Feb 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I ABHISHEK RAI SATYANARAYAN , S/o SATYA NARAYAN RAI R/o Hno. C-354 BRIJ VIHAR ,CHANDER NAGAR, GHAZIABAD, (U.P) have changed my Name From ABHISHEK RAI to ABHISHEK RAI SATYANARAYAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-4090783F Rank-HAV Name-PRADEEP SINGH residing at BADOWALA, SHIMLA, BYPASS ROAD, NEAR DSP CHOWK, ARKEDIYA GRANT, PO- PREM NAGAR, DISTT-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248007, have changed my wife's name from NEELAM DEVI to NEELAM for all future purposes vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-4090783F Rank-HAV Name-PRADEEP SINGH residing at BADOWALA, SHIMLA, BYPASS ROAD, NEAR DSP CHOWK, ARKEDIYA GRANT, PO- PREM NAGAR, DISTT-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248007, have changed my daughter's name from KMDEEPIKA NEGI to DEEPIKA for all future purposes vide affidavit dated 25/02/2026 before Notary Public Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नागेश सिंह पाल, पुत्रः** नारायण सिंह, **निवासीः** म.नं. 64, गारी पट्टी, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **CT No. 605/2020 U/s 138 NI Act, थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नागेश सिंह पाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नागेश सिंह पाल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CT No. 605/2020 U/s 138 NI Act, थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नागेश सिंह पाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 73, पांचवा तल, उत्तर पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2412/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विकसित भारत में महिलाओं को होगा अहम योगदानः चैयरपर्सन रेनू भाटिया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्षा रेनू भाटिया ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने की तथा कुलसचिव प्रो. आशुतोष मिश्रा सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक उपस्थित रहे। रेनू भाटिया ने कहा कि छात्राओं और महिलाओं को यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो वे निःसंकोच उनसे मिल सकती हैं, उनकी समस्याओं का समाधान तुरंत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि देश तभी विकसित बनेगा, जब आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमें उनके सपनों का भारत बनाने के लिए मिलकर योगदान देना होगा। कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने कहा कि वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित राष्ट्र का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब महिला सशक्तिकरण को विकास की आधारशिला बनाया जाएगा।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सख्तीः 200 मीटर दायरे में धारा 163 लागू, फोटोस्टेट की दुकानें रहेंगी बंद : जिलाधीश

पानीपत। पानीपत, जिलाधीश डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने डी.एल.एड. एवं बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन हरियाणा द्वारा आयोजित डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (नियमित/पुनः परीक्षा) तथा माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक (शैक्षणिक/मुक्त विद्यालय) परीक्षाएं 25 फरवरी से 1 अप्रैल 2026 तक जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। मंगलवार को जारी आदेशानुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही आग्नेयास्त्र, तलवार, गंडासी, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली तथा चाकू सहित किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने पर पूर्ण रोक रहेगी। आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में स्थित फोटो स्टेट की दुकानों के संचालन पर भी परीक्षा अवधि तक प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर परीक्षाओं की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों, ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी सिविल सेवकों ने प्रशासन की सुशासन प्रणाली का लिया अनुभव

गुरुग्राम। भारत सरकार के राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीलंका, तंजानिया, माली, नाइजर, बुर्किना फासो आदि विकासशील देशों के वरिष्ठ सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम जिला प्रशासन कार्यालय का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में संबंधित देशों के चीफ सेक्रेटरी, मंत्रालयों के निदेशक एवं सचिव स्तर के अधिकारी शामिल रहे। गुरुग्राम आगमन पर डीसी अजय कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए हरियाणा सरकार के विज़न, सुशासन की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक नवाचारों की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीकी सशक्तिकरण को प्रशासन की धुरी बनाया है। डीसी अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं के लक्षित वितरण में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से नागरिक सेवाओं को ऑनलाइन, समयबद्ध और पारदर्शी बनाया गया है। भूमि अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण कर राजस्व कार्यों को सरल और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

महिलाओं की सुरक्षा व अधिकारों के संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मनोज कुमार

नारनौल। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के तहत जिले के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों का मुख्य दायित्व कार्यस्थलों पर होने वाली शिकायतों को प्राप्त करना और उन्हें समयबद्ध तरीके से स्थानीय समिति तक पहुंचाना होगा। जारी आदेशों में जिलाधीश एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आंतरिक शिकायत समितियों के गठन का सर्वे कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए। उन्होंने डीआईओ नारनौल को शी-बॉक्स पोर्टल और जिला वेबसाइट पर सभी नोडल अधिकारियों का विवरण अपडेट करने के आदेश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए की इंटरनल कंप्लेंट कमेटी का गठन तथा सी बॉक्स पोर्टल पर आईसीसी डिटेल अपलोड करने के लिए श्रम आयुक्त नारनौल स्थित रेवाड़ी का सहयोग करेंगी।

उपायुक्त ने ली रिफाइनरी में अधिकारियों और कंपनियों के प्रमुख ठेकेदारों की बैठक

एजेंसी

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी में मजदूरों के विवाद के बाद डीसी डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने पानीपत रिफाइनरी में एलएनटी, टोयो व अन्य प्रमुख कंपनियों के ठेकेदारों और श्रमिकों के विवाद को सुलझाने के लिए रिफाइनरी से संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि श्रमिकों के साथ किसी भी भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी कंपनियों के ठेकेदार उनका शोषण करना बंद करें और श्रमिकों द्वारा रखी गई सभी मांगों को पूरा करना सुनिश्चित करें। डीसी वीरेंद्र कुमार दहिया ने उपस्थित सभी कंपनी ठेकेदारों को सख्त हिदायत दी की श्रमिकों द्वारा आठ घंटे की ड्यूटी वेतन, हर माह एक से सात तारीख के बीच में वेतन और सरकार द्वारा घोषित मिनिमम लेबर रेट के अनुसार दिया जाना सुनिश्चित करें। अगर आठ घंटे से ज्यादा काम लिया जाता है तो ओवरटाइम भी दिया जाए।

इसके साथ-साथ जितने भी राष्ट्रीय स्तर के अवकाश होते हैं वह भी मिलने सुनिश्चित किए जाएं। रिफाइनरी द्वारा बड़ी-बड़ी कंपनियों को काम अलॉट किया गया है और वे ठेकेदार श्रमिकों से काम लेते हैं। इसलिए यह जिम्मेदारी रिफाइनरी की ना होकर कम्पनीयों के ठेकेदारों की बनती है कि वे श्रमिकों की रखी गई सभी मांगों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की ओर से बाथरूम और पीने के पानी की व्यवस्था करने की भी मांग आई है जिसे हर हाल में दुरुस्त किया जाए।

डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने कहा कि रिफाइनरी में बहुत सारे असंगठित क्षेत्र के श्रमिक है और इन पर किसी भी तरह का लाठी चार्ज करना ठीक नहीं है। लाठी चार्ज किसी भी समस्या का कोई समाधान नहीं है इसलिए सौहार्दपूर्ण दायित्व के साथ अपनी जिम्मेदारी समझे और श्रमिकों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया छोड़कर उनकी सभी मांगों को पूरा करें और सभी कंपनियों के ठेकेदार सभी मांगों को पूरा करने का एक लिखित आश्वासन भी दें और उसे प्रमुख स्थानों पर भी चस्पा करवाएं। यही नहीं उस लिखित आश्वासन को श्रमिकों तक भिजवाएं ताकि वह आश्वस्त हो सकें कि कंपनी के ठेकेदारों द्वारा उनकी मांगों को मान लिया गया है।

रिफाइनरी के ईडी एमएल डेहरिया ने डीसी डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह को आश्वस्त किया कि उन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की अनुपालना की जाएगी। बैठक में एसडीएम मनदीप कुमार, डीएसपी राजवीर सहित रिफाइनरी के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आईडीएफसी बैंक ने हरियाणा सरकार के ब्याज समेत लौटाए 556 करोड़

एजेंसी

चंडीगढ़। आईडीएफसी बैंक की चंडीगढ़ शाखा द्वारा हरियाणा सरकार को करीब 590 करोड़ का चूना लगाए जाने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई। विपक्ष की लगातार घेराबंदी के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधानसभा में बताया कि बैंक ने हरियाणा सरकार का पैसा लौटा दिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जब से यह मामला सामने आया है तब से सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बैंक की तरफ से 556 करोड़ रुपये मूल राशि को 22 करोड़ रुपये ब्याज के साथ हरियाणा सरकार के खातों में ट्रांसफर कर दिया गया है। यह पैसा कई विभागों, बोर्ड व निगमों का पैसा था। अभी तक की जांच में पता चला है कि बैंक की चंडीगढ़ शाखा के कुछ कर्मचारियों ने मिलकर यह फर्जीवाड़ा किया था। नायब सैनी ने बताया कि हरियाणा सरकार की तरफ से इस मामले में वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर दिया गया है। यह कमेटी प्रशासनिक व अन्य स्तर पर हुई चूक के बारे में पता लगाएगी तथा भविष्य में इस प्रकार की गड़बड़ी दोबारा न हो इसके लिए अपनी सिफारिशें देगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मामले की जांच एसीबी को औपचारिक व अधिकारिक रूप से सौंप दी गई है। एसीबी ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आईडीएफसी बैंक चंडीगढ़ और ए यू स्मॉल बैंक सेक्टर 32 चंडीगढ़ के कर्मचारी और और अननोन पब्लिक के खिलाफ मुकदमा नंबर 4 एसीवी सेक्टर 17 पंचकूला में मुकदमा दर्ज किया गया है।

वृद्धा पेंशन के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन वृद्धा पेंशन के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष में टकराव देखने को मिला। कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला ने पेंशन काटने के आरोप लगाए। उन्होंने वेरिफिकेशन के नाम पर रोकी गई पेंशन का ब्यौरा मांगा। समाज कल्याण मंत्री कृष्ण बेदी ने लाभार्थियों के साथ-साथ वह आंकड़ा भी सदन में रखा, जिनकी पेंशन रोकी गई है। इस मुद्दे पर जब हंगामा काफी बढ़ गया तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष ने अफवाह फैला कर पाप किया है। किसी भी बुजुर्ग की पेंशन नहीं काटी गई। उन्होंने कहा कि मोदी और हरियाणा सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को पांच लाख तक मुफ्त उपचार की सुविधा प्रदान की है।

शीशपाल केहरवाला ने पूछा कि कितने लोगों की वृद्धावस्था पेंशन वेरिफाई कराने के नाम पर रोकी गई है। 2024 के बाद कितने पेंशन रोकी गई हैं। इसका क्या पैमाना है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि बुढ़ापा, विधवा दिव्यांग सहित विभिन्न कैटेगरी के एक लाख एक हजार 452 लाभार्थियों की पेंशन उनकी डेथ के बाद रोकी गई है। इसी तरह से जिला समाज कल्याण अधिकारियों की रिपोर्ट व शिकायतों के आधार पर नौ हजार 668 लोगों की पेंशन रोकी है।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए ड्यूटी का गंभीरता से पालन करें: डीसी अपराजिता

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा है कि 25 फरवरी से एक अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाली हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं को नकल रहित व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से पालन करें और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय स्थित सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 74 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर 17 हजार 305 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जिनमें दसवीं कक्षा के 9,624 तथा बारहवीं कक्षा के 7,681 विद्यार्थी शामिल हैं।

उड़नदस्तों का गठन, होगी सख्त निगरानी डीसी ने बताया कि परीक्षा को नकल रहित बनाने के लिए बोर्ड स्तर, एसडीएम स्तर और खंड शिक्षा अधिकारी स्तर पर फ्लाइंग स्क्वायड (उड़नदस्ते) गठित किए गए हैं। ये टीमें परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगी। एसडीएम और विभिन्न विभागाध्यक्षों की अगुवाई में गठित टीमें परीक्षा के दौरान पूरी तरह सतर्क रहेंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, डिजिटल वॉच व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। विद्यार्थियों की एंट्री के दौरान सघन जांच सुनिश्चित की जाए। पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल, विशेषकर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। जिला स्तर पर नियंत्रण एवं समन्वय के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कमेटी चौक में जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश डीसी अपराजिता ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का निरीक्षण कर कमियों को समय रहते दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में एडीसी डॉ. सुशील कुमार, कैथल एसडीएम गुरविंद्र सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, डीएसपी गुरविंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बूथ प्रबंधन से लेकर एआई के गुर सिखाएंगे भाजपा के वक्ता

प्रशिक्षण देने जाने वाले वक्ताओं की कार्यशाला, सात विषयों पर हुई चर्चा

एजेंसी

गुरुग्राम। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के तहत भाजपा की प्रदेश स्तरीय वक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला शाम गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में हुई। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रशिक्षण महाभियान कार्यशाला के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र कुमार, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने आगामी दिनों में होने वाले मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की।

सभी नेताओं ने कार्यशाला में प्रशिक्षण की आवश्यकता और उसकी महत्ता पर चर्चा की। कार्यशाला में रोहतक, झज्जर, हांसी, हिसार, भिवानी, दादरी, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, गुरुग्राम, गुरुग्राम महानगर, नूंह, पलवल, फरीदाबाद महानगर और फरीदाबाद से आए पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में वक्ताओं ने

वैचारिक अधिष्ठान, इतिहास एवं विकास, बूथ प्रबंधन, कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि, सोशल मीडिया, एआई, सरल और नमो एप के बारे में जानकारी दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कार्यकर्ताओं को वैचारिक तौर पर मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन भाजपा की कार्य संस्कृति की आधारशिला है। बड़ौली ने कहा कि पार्टी द्वारा समय-समय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविरों के परिणाम स्वरूप कार्यकर्ता सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित बने हैं। कार्यकर्ता प्रशिक्षण के माध्यम से ही नेता बनते हैं। समय-समय पर प्रशिक्षण लेने से कार्यकर्ता अपडेट रहता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण संगठन की रीढ़ है और यह कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मंडल स्तर के प्रशिक्षण शिविर 7 मार्च से प्रारंभ होकर 14 अप्रैल तक चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे।भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा, विचारधारा और राष्ट्रवाद के मूल भाव से आगे बढ़ती है ना कि केवल सत्ता पाने के उद्देश्य से। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना और भारतीय जनता पार्टी के गठन के बारे में भी जानकारी दी।

संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं में वैचारिक स्पष्टता, अनुशासन और कार्यकुशलता को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। प्रशिक्षण महाभियान कार्यशाला के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को सिखाएगा कि कैसे चुनौतियों को अवसर में बदला जाता है और कैसे जनसेवा के क्षेत्र में संवेदनशीलता और समर्पण की वृद्धि करनी है।

सड़क सुरक्षा पर बढ़ी कार्य योजना, शहर को मिलेगा आधुनिक यातायात तंत्र : पुलिस अधीक्षक

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन नीति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र ने मंगलवार को बताया कि बरसत मार्ग के कट को खुलवाने, अनाज मंडी से दिल्ली की ओर जाने के लिए ऊपर चढने के मार्ग तथा अन्य संवेदनशील बिंदुओं पर सुरक्षा परीक्षण करवाया जा रहा है, जिससे वैज्ञानिक आधार पर5 निर्णय लिए जा सकें। शहर को जाम से स्थायी राहत दिलाने के लिए परिधीय मार्ग का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में ऊंचे बस अड्डे के निर्माण पर कार्य किया जाएगा ताकि यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं मिल सकें और मुख्य जीटी रोड़ मार्ग तथा तीनों फ्लाईओवर पर ध्वनि अवरोधक लगाने पर भी विचार किया गया है, ताकि ध्वनि प्रदूषण से आमजन को राहत मिल सके। तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन अभियान को और तेज किया जाएगा तथा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा कि शहर के विकास और सुचारू संचालन के लिए सभी सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समन्वय से शहर को यातायात जाम और अव्यवस्था से मुक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डॉ. नीरज जिंदल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय मलिक, उप पुलिस अधीक्षक सुरेश सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीएस पूरन कुमार की बेटी को नौकरी देगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में आत्महत्या करने वाले आईपीएस वाई पूरण कुमार के परिजनों को नौकरी नहीं देने तथा कुरुक्षेत्र में बनाए जा रहे संत रविदास म्यूजियम को लेकर जमकर हंगामा हुआ। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक नरेश सेलवाल ने यह मुद्दा उठाया।

सेलवाल ने कुरुक्षेत्र में 110 करोड़ रुपए में बन रहे म्यूजियम पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकार को यदि संत रविदास जी के नाम पर यदि कुछ बनाना है तो एक यूनिवर्सिटी बनाओ। उसमें म्यूजियम बनाओ। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इन्हें माफी मांगनी चाहिए। गुरुओं के नाम पर इस तरह के बयान दे रहे हैं। वहीं कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि ये गुरु रविदास जी का विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस विधायक ने नरेश सेलवाल ने आईपीएस वाई.पूरन कुमार की आत्महत्या का मामला उठाया। सेलवाल ने कहा कि सरकार दलित विरोधी है। जैसे आपने एएसआई संदीप लाठर की पत्नी को नौकरी दी, वैसे ही वाई पूरन कुमार की बेटी को भी नौकरी देनी चाहिए। मुआवजा भी देना चाहिए। इस मुद्दे पर जब सदन में विवाद बढ़ा तो

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि सरकार की ओर से वाई पूरन कुमार की बेटी को नौकरी का ऑफर किया गया है। वह आवेदन करेंगी तो सरकार उन्हें नौकरी देने के लिए तैयार है।

पंवार ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज से संबंधित मुद्दे पर बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र जिले के उमरी में गुरु रविदास धाम के निर्माण के लिए 5 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई है। इस धाम परिसर में छात्रावास, लंगर हॉल, संत गुरु रविदास जी महाराज की भव्य प्रतिमा तथा संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 125 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, जिनमें से लगभग 90 करोड़ रुपये के कार्यों के टेंडर जारी किए जा चुके हैं।

कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि कुछ सदस्यों द्वारा इस विषय पर आपत्ति जताई जा रही है, जबकि जीटी रोड के साथ लगती इस 5 एकड़ भूमि का बाजार मूल्य ही 50 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसे सरकार ने संत गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर निःशुल्क उपलब्ध कराया है। यह निर्णय समाज के सभी वर्गों के सम्मान और संत परंपरा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अब गांव से पांच किलोमीटर दूर ढाणियों को भी मिलेगी 24 घंटे बिजली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने गांव से पांच किलोमीटर की दूरी पर बसी ढाणियों को 24 घंटे बिजली सप्लाई करने का फैसला लिया है। पहले एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित ढाणियों में बिजली सप्लाई की जाती थी। यही नहीं, जिस ढाणी में 11 सदस्य हैं, उन्हें एक यूनिट मानते हुए बिजली सप्लाई मुहैया करवाई जाएगी, पहले यह शर्त 11 घरों की थी, जिसे सरकार ने हटाकर ढाणियों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत दी है। यह ऐलान पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शून्यकाल के दौरान विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देते हुए किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लालडोरे के भीतर किसी भी घर, स्कूल, अस्पताल या फिर शमशान घाट के ऊपर से गुजर ही हाईटेंशन तार को सरकार अपने खर्च पर हटाएगी। नांगल चौधरी से विधायक मंजू चौधरी ने ढाणियों में 24 घंटे बिजली सप्लाई का मुद्दा उठाया था। नीलोखेड़ी विधायक भगवान दास कबीर पंथी ने चाइना डोरी के प्रयोग से हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए चाइना डोरी बेचने वालों पर शिकंजा कसने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने नीलोखड़ी और तरावड़ी तथा निसिंग में बाइपास की मांग उठाई। पानीपत विधायक प्रमोद विज ने औद्योगिक नगरी पानीपत की समस्याओं के प्रति ध्यानाकर्षित किया। नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़ ने जलभराव वाले गांवों में मुआवजा देने में भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए नारनौंद विधानसभा के जिन गांवों में जलभराव हुआ था, उनके सभी किसानों को मुआवजा देने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने ड्रेनों की सफाई और नई ड्रेनों के निर्माण का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मजदूरों को रोजगार गारंटी के साथ 700 रुपये दिहाड़ी देने की भी मांग की। बाढड़ा विधायक उमेद सिंह ने किसानों को मुआवजा देने, कच्चे रास्तों को पक्का करने, हाई टेंशन तारों को हटाने, बाढड़ा को नगर पालिका दर्जा देने की मांग उठाई। पूंडरी विधायक ने स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू होने पर नायब सरकार का आभार जताते हुए पाई में कबड्डी नर्सरी का निर्माण, कैथल से कुरुक्षेत्र तक सड़क को फोर लेन करने, कैथल से करनाल तक रेलवे लाइन बिछाने और पूंडरी को सब-डिविजन बनाने की मांग की।

हरियाणा में जल्द होगी 450 डॉक्टरों की भर्ती : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि जल्द ही प्रदेश में नए 450 डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी , भविष्य में प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा डॉक्टरों की कमी से संबंधित उठाए गए मुद्दे पर जवाब दे रही थी।

आरती सिंह राव ने कहा कि वर्तमान सरकार ने मात्र एक वर्ष में 1400 से ज्यादा डॉक्टरों की भर्ती की है जबकि वर्ष 2014 से पहले शायद एक साल में इतने ज्यादा डॉक्टर कभी भी नहीं लगाए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एनएचएम के माध्यम से 150 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भर्ती की गई है और पीजी डिग्री करके आये नए 150 डॉक्टरों की भर्ती भी जल्द ही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी समय में भी डॉक्टर एवं स्पेशलिस्ट की भर्ती की जाती रहेगी।

असंध के विधायक योगेंद्र राणा के सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि गांव मुनक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा

किया जाएगा। आरती सिंह राव ने बताया कि हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने 24 जून 2019 को मुनक स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र को पीएचसी में अपग्रेड करने की घोषणा की थी और तदनुसार इसे 20 दिसंबर 2019 को अपग्रेड किया गया।

इसके बाद, पीएचसी भवन के निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग को 2 एकड़ भूमि पट्टे पर दी गई और भवन के निर्माण के लिए 3.60 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई। लोक निर्माण विभाग द्वारा 25 जनवरी 2021 को 03.09 करोड़ रुपये का कार्य संविदा एजेंसी को आवंटित भी कर दिया था। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा अधिक भुगतान किए जाने पर जांच की तो एजेंसी ने 20 प्रतिशत कार्य करने के बाद वर्ष 2022 में काम रोक दिया था और उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी। एजेंसी द्वारा इस भवन की केवल चारदीवारी का निर्माण किया गया है। इस कार्य पर कुल व्यय 67.12 लाख रुपये हुआ है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा एजेंसी का वर्तमान अनुबंध 20 जून 2024 को समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को भवन निर्माण के लिए अनुमानित बजट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

मसानी बैराज में नहीं आए राजस्थान का प्रदूषित पानी, केंद्र सरकार बनाएगी ड्रेन

एजेंसी

चंडीगढ़। दिल्ली-राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मसानी बैराज में स्वच्छ पानी भरा जाएगा और राष्ट्रीय राजमार्ग साथ ड्रेन बनाई जाएगी। इसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से 150 करोड़ रुपये की राशि मंजूरी गई है। इसमें 25-25 करोड़ की राशि हरियाणा और राजस्थान सरकार द्वारा दी जाएगी। हरियाणा विधानसभा में यह जवाब पर्यावरण मंत्री राव नरबीर ने इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला द्वारा शून्यकाल में मसानी बैराज के प्रदूषित पानी के मुद्दे पर दिया। शून्यकाल के दौरान अर्जुन चौटाला ने मुद्दा उठाया कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र का प्रदूषित पानी मसानी बैराज में आ रहा है, जिसके चलते इस क्षेत्र में बीमारियां फैल रही है और साथ ही, गांवों की जमीन भी बंजर हो रही है। पर्यावरण मंत्री ने भी माना कि प्रदूषित पानी के चलते साथ लगते गांवों की जमीन की उपजाऊ क्षमता पर असर पड़ा है। मगर अब मसानी बैराज में आने वाला प्रदूषित पानी बंद हो चुका है। बैराज में बरसात का पानी भरा जाएगा। राजमार्ग के साथ-साथ केंद्र सरकार की ओर से ड्रेन बनाने को मंजूरी दी गई है, जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। हरियाणा द्वारा 25 करोड़ रुपये देने के जवाब पर अर्जुन चौटाला ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र का प्रदूषित पानी आ रहा है तो उन पर एनजीटी के नियमों की उल्लंघना करने पर जुर्माना लगाना चाहिए, हरियाणा हर्जाना क्यों भरे। अर्जुन चौटाला ने आरोप लगायाकि दिल्ली सरकार यमुना में, पंजाब सरकार घग्गर में और राजस्थान सरकार मसानी बैराज में गंदा पानी छोड़ती है। हरियाणा कोई प्रदेश है या डस्टबिन है। विधायक अर्जुन चौटाला ने शून्यकाल में सड़कों के किनारे खड़े पेड़ों से गाड़ी टकराने के कारण होने वाले एक्सीडेंट से हो रही मौत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आए दिन रोड पर चलते हुए पेड़ से टकरा जाने के कारण यह हादसे होते हैं। समय पर पेड़ों की कटाई और छटाई नहीं की जाती। कुछ दिन पहले ही रोहतक के घुसकानी गांव के पांच नौजवान गाड़ी के पेड़ से टकराने के कारण मारे गए।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

-सोने में तेजी, त्योहारी मांग, जीएसटी में कटौती से कर्ज वितरण को मिला बढ़ावा

मुंबई।

खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था। आवासीय ऋण के संदर्भ में सक्रिय ऋण खातों की संख्या 3.3 लाख बढ़ी, जो औसत ऋण आकार में वृद्धि का संकेत है।

एन्थ्रोपिक की साझेदारी से आईटी शेयरों में जोरदार उछाल

एआई से व्यवधान की आशंका घटी, इनफोसिस, विप्रो और टाटा कन्सलटेंसी सर्विस में 5 फीसद तक तेजी

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सॉफ्टवेयर उद्योग में छाई अनिश्चितता के बीच अमेरिकी एआई स्टार्टअप एन्थ्रोपिक की नई साझेदारियों ने भारतीय आईटी सेक्टर को बड़ी राहत दी है। कंपनी द्वारा कई एसएएएस फर्मों के साथ रणनीतिक गठजोड़ की घोषणा के बाद बुधवार को देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। बाजार में यह उछाल ऐसे समय में आया है, जब पिछले पांच कारोबारी सत्रों से लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ था। इन्फोसिस, विप्रो और टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के शेयरों में निवेशकों की जोरदार खरीदारी देखी गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि एंथ्रोपिक की घोषणा से यह संकेत मिला है कि एआई पारंपरिक आईटी सेवाओं के लिए खतरा नहीं, बल्कि सहयोगी भूमिका निभाएगा। एंथ्रोपिक ने अपने 'एंटरप्राइज एजेंट' इवेंट में कई बड़े प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेशन की घोषणा की। कंपनी ने अपने क्लाउड को-वर्क प्लेटफॉर्म को सेल्सफोर्स के स्लैक, इनफुटह्ल, डोकुसिंग्न, लीगलजूम, फेक्टसेट और गूगल के जीमेल जैसे एंटरप्राइज एप्लीकेशंस के साथ जोड़ने की सुविधा दी है। साथ ही, वित्तीय विश्लेषण, इंजीनियरिंग और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों के लिए कस्टमाइज्ड प्लगइन्स की भी घोषणा की गई है। अमेरिकी बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले। वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी के चलते डाव जोनेस इंडस्ट्रियल एवरेज में 370 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एसएंडपी 500 और नसडक कॉम्पोसाइट क्रमशः 0.7 फीसद और 1.1फीसद चढ़े।

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

-बैंकिंग सिस्टम धीमा, जितना कैश निकल रहा है, उतना नहीं आ रहा वापस

नई दिल्ली।

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बढ़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश डाला जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि करंट और ओवरड्राफ्ट खातों से बड़े पैमाने पर नकदी निकाली जा रही है। निर्माण, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट और सरकारी सिविक प्रोजेक्ट्स से जुड़े कारोबारी और ठेकेदार मजदूरी व अन्य भुगतान के लिए नकद का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम तौर पर यह पैसा कुछ दिनों में बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट आता है लेकिन हाल के हफ्तों में यह चक्र धीमा पड़ा यानी जितना कैश निकल रहा है, उतना वापस नहीं आ रहा है। शहर में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होना हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि चुनावी तैयारियों के चलते नकदी की मांग बढ़ सकती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती नकद निकासी शुरुआती चेतावनी संकेत मानी जाती है। आरबीआई करेंसी की उपलब्धता पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर संतुलन बहाल करने के उपाय कर सकता है। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह दी है, ताकि नकदी पर दबाव कम किया जा सके। बैंक एटीएम में रिफिल को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं लेकिन फिलहाल 500 रुपए के नोट की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है।

होली से पहले कंपनियां एलपीजी के रेट करेंगी अपडेट, उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

नई दिल्ली।

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमरशियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। अभी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है।

यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इस दिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1 मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में मामूली बढ़ोतरी हुई थी। एक फरवरी को 19 किलो वाला सिलेंडर यहां 1 फरवरी को 1797 रुपए में बिक रहा था, जो 1 मार्च 2025 को 6 रुपए बढ़कर 1803 रुपए हो गया।

ट्रंप ने सोलर इंपोर्ट्स पर लगाया 126 प्रतिशत टैरिफ.....औंधे मुंह गिरे सोलर कंपनियों के शेयर

मुंबई ।

सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गए हैं। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जी, विक्रम सोलर, वारी रिन्यूएबल तकनीक और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत तक टूट गए हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत से किए जाने वाले सोलर इंपोर्ट्स पर भारी-भरकम ड्यूटी लगा दी है, इससे इंडियन सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को टूट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत से होने वाले सोलर इंपोर्ट्स (सोलर प्रॉडक्ट्स के आयात) पर 126 प्रतिशत की शुरुआती ड्यूटी लगाई है। यह ड्यूटी ट्रंप प्रशासन की तरफ लगाए टैरिफ से अलग होगी। वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत टूटकर 2571.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयर भी 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 667.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़ककर 171.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 810 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडोसोलर लिमिटेड के शेयरों में भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत के अलावा, इंडोनेशिया से होने वाले आयात पर भी अमेरिका ने 86 से 143 प्रतिशत के बीच शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर 81 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई गई है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, फॉरेन सब्सिडीज के आधार पर यह रेट्स तय किए गए हैं, जिससे निर्यातक सस्ते दाम पर प्रॉडक्ट्स बेचकर घरेलू सोलर प्रॉड्यूसर्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, साल 2024 में भारत से सोलर इंपोर्ट्स 792.6 मिलियन डॉलर रहा, जो कि साल 2022 के मुकाबले 9 गुना से ज्यादा बढ़ा है। लेकिन ड्यूटी बढ़ने से इंडियन सोलर पैनल मैन्युफैक्चरर्स को तगड़ा झटका लगेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन, उद्योग जगत शोक में डूबा

मुंबई। इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन होने के साथ भारत के धातु और खनन क्षेत्र के एक युग का अंत हुआ। छह दशकों से अधिक के अपने करियर में, मेहरा अपने तकनीकी ज्ञान, रणनीतिक सोच और महत्वाकांक्षी विचारों को सफल बड़े पैमाने की परियोजनाओं में बदलने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। मेहरा ने एस्सार समूह में धातु एवं खनन प्रभाग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने समूह के इस्पात और धातु व्यवसायों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोक संदेश में, एस्सार परिवार ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक दूरदर्शी लीडर के रूप में याद किया। कंपनी ने कहा, भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज और इसरह के लीडर, जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कुछ सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों की नींव रखी, उनके निधन से एस्सार परिवार को गहरा दुख हुआ है। उन्होंने ओडिशा में पारादीप इस्पात संयंत्र जैसी बड़ी एकीकृत परियोजनाओं के विकास का भी नेतृत्व किया, जिससे वैश्विक इस्पात बाजार में एस्सार की उपस्थिति मजबूत हुई। एस्सार में शामिल होने से पहले, मेहरा ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उद्योग में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक और बाद में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया। आरआईएनएल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के चालू होने का नेतृत्व किया, जो देश के इस्पात क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर परियोजना थी। उद्योग में उनके आजीवन योगदान को मान्यता देते हुए, भारतीय इस्पात संघ ने उन्हें 2022 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने करा दी मौज.....अनिल की कंपनियों ने किया निवेशकों को निराश

मुंबई । देश के बड़े उद्योगपति मुकेश और अनिल अंबानी के समूहों की कई कंपनियां शेयर बाजार में दर्ज हैं, उनका बीते छह महीने और एक वर्ष का प्रदर्शन निवेशकों के लिए बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। जहां मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कुछ कंपनियों ने सीमित सकारात्मक रिटर्न दिया, वहीं अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने निवेशकों को भारी नुकसान झेलने पर मजबूर किया। अनिल के ग्रुप की कंपनियां रिलायंस पावर, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशंस में लगातार गिरावट देखने को मिली। छह माह में इन कंपनियों के शेयर 44 से 64 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में भी 30 से 59 फीसदी तक का निगेटिव रिटर्न दर्ज हुआ। दिवालिया प्रक्रिया में फंसी कंपनियों की स्थिति भी निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। वहीं इसके विपरीत, मुकेश अंबानी के समूह की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले एक साल में करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो समूह की कंपनियों में सबसे बेहतर रहा। हालांकि, बाकी कंपनियां जैसे नेटवर्क18 मीडिया, हैथवे केबल एंड डेटाकॉम, डेन नेटवर्क्स, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, आलोक इंडस्ट्रीज और जस्ट डायल ने पिछले छह महीने और एक साल, दोनों अवधियों में नकारात्मक रिटर्न ही दिया। इन कंपनियों के शेयर 18 से 36 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में यह गिरावट 9 से 29 फीसदी के बीच रही। कुल मिलाकर, बीते एक वर्ष में अनिल अंबानी समूह की किसी भी कंपनी ने निवेशकों को लाभ नहीं पहुंचाया, जबकि मुकेश अंबानी के समूह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही भरोसेमंद निवेश विकल्प बनी रही। यह तुलना साफ दिखाती है कि अंबानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में सबसे सुरक्षित और फायदे का सौदा सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही साबित होती।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 50.15 अंक की बढ़त के साथ ही 82,276.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.85 अंक बढ़कर 25,482.50 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार आईटी शेयरों में तेजी से ऊपर आया पर सत्र के अंत में बड़े लार्जकैप शेयरों में बिकवाली हावी होने से दिन भर की बढ़त उसने खो दी। बाजार में और भी गिरावट होती पर मेटल और ऑटो स्टॉक्स ने उसे संभाल लिया। निफ्टी मेटल 2.70 फीसदी और निफ्टी ऑटो और फार्मा 1.85-1.85 फीसदी बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी हेल्थकेयर 1.59 फीसदी, निफ्टी आईटी 1.57 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.35 फीसदी, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.93 फीसदीऔर निफ्टी कमोडिटीज 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.39 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.30 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.25 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.19 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 339.75 अंक की की तेजी के साथ 59,406.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.05 अंक की मजबूती के साथ 17,118.70 पर था। सेंसेक्स पैक में आज एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टीसीएल, इंडिगो, सन फार्मा, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बीईएल, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचयूएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, , भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और ट्रेंट नुकसान में रहे थे। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। वहीं, इससे पहले सोमवार को एफआईआई ने कैश मार्केट में 3,483.70 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी।

इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स करीब 475 अंक बढ़कर 82,748 और निफ्टी 145 अंक उछलकर 25,568 पर खुला। आज बाजार में सकारात्मक प्रभाव रहा है। ऐसे में काफी शेयर उछले हैं। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। शंघाई, टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक, जकार्ता के बाजारों में तेजी रही। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। शेयर बाजार में तेजी का कारा एफआईआई की ओर से बिकवाली का दबाव कम होना है। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के शेयरों में 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली रही। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,161.22 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

2025 में मेकमाईट्रिप कॉरपोरेट यात्रा की कुल बुकिंग एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप की कॉरपोरेट यात्रा खंड की कुल बुकिंग 2025 में एक अरब डॉलर के पार हो गई। इस सेवा का लाभ 40 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को मिला है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसके कॉरपोरेट मंच क्रेस्ट2ट्रैवल, मायबिज और हैपे पर कुल बुकिंग एक अरब डॉलर से ज्यादा की हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेकमाईट्रिप के पास 500 बड़ी कंपनियों के ग्राहक हैं। इनमें बीएसई 500 की शीर्ष 150 कंपनियां और पूरे देश के 75,000 छोटे और मझोले व्यवसाय शामिल हैं। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश मागो ने कहा कि हमारा कॉरपोरेट यात्रा कारोबार सामान्य उपभोक्ता व्यवसाय की तुलना में नया है लेकिन केवल पांच सालों में यह बहुत तेजी से बढ़ा है।

कावासाकी निंजा 650 पर फरवरी में ही मिलेगा कैशबैक का लाभ

नई दिल्ली । लोकप्रिय मिडिलवेट बाइक कावासाकी निंजा 650 पर 27,000 रुपये का कैशबैक ऑफर बढ़ा दिया है। यह जबर्दस्त आफर 28 फरवरी 2026 तक वैध रहेगा। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत पहले 7.91 लाख रुपये थी,

लेकिन डिस्काउंट के बाद इसकी प्रभावी कीमत घटकर करीब 7.64 लाख रुपये रह जाती है। यह वाउचर सीधे एक्स-शोरूम प्राइस पर रिडीम किया जा सकता है, जिससे खरीदारों को वास्तविक रूप से फायदा मिलता है। कंपनी ने यह डिस्काउंट इसलिए पेश किया है क्योंकि हाल ही में निंजा 650 का 2026 मॉडल लॉन्च किया गया है, और पुराने स्टॉक को क्लियर करने की रणनीति के तहत यह ऑफर जारी है। ऐसे में ग्राहकों को कम कीमत में एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सुनहरा मौका मिल रहा है। निंजा 650 में 649सीसी का पैरलल-ट्विन इंजन मिलता है, जो 67 बीएचपी की पावर और 64 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। यह इंजन स्मूदनेस, विश्वसनीयता और हाईवे पर स्थिर परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है, जिससे यह शहर और हाईवे दोनों परिस्थितियों में बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो 600सीसीसेगमेंट में कदम रखना चाहते हैं और स्पोर्टी लुक के साथ कम्फर्ट का संतुलन भी चाहते हैं। ट्रैक राइडिंग और टूरिंग दोनों का मज़ा लेने वालों के लिए यह एक मजबूत विकल्प है। अगर आप निंजा 650 खरीदने का विचार कर रहे थे, तो यह सही समय माना जा सकता है।

मोदी सरकार ने कर दिया उपाय..... खादय तेलों की कीमतों में आएगी कमी

कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी

नई दिल्ली।

खादय तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी।

इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है।

अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है।

चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए।

खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ हफ्तों में खुदरा बाजार में कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी देखने को मिलेगी, हालांकि वास्तविक गिरावट ब्रांड और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

स्मार्टफोन से जेट की बुकिंग

कम किराए पर विमान 30 सेकंड में बुकिंग

लंदन । अमेरिका और ब्रिटेन में अब प्राइवेट एविएशन कंपनियों द्वारा स्मार्टफोन पर हवाई जहाज बुकिंग की सुविधा दी गई है। कम किराये पर बिना बिचौलिए के 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करके उपलब्ध कराने का दावा कंपनियां करने लगी हैं। स्मार्टफोन से बुकिंग का काम, फ्लाई हाउस, जेटली,लेबो डॉट एयरो जैसी कई कंपनियां 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करने का वादा करती हैं। इसके पहले अभी तक यह बड़ा सिर दर्द वाला काम होता था। अब विमानन कंपनियों द्वारा अपने विमान की वीडियो उनकी कीमत और अन्य जानकारी स्मार्टफोन पर उपलब्ध करा दी जाती है। फ्लाई हाउस नामक कंपनी ने एक नया फीचर जोड़ा है। उसमें समान रुचि वाले लोगों के लिए पूरी फ्लाइट के बजाय पसंद की कुछ सीटों पर बुकिंग की सुविधा देना शुरू कर दी है। जिसके कारण लोग अपने रुचि वाले लोगों के साथ विमान में यात्रा कर पा रहे हैं। विमानन क्षेत्र में यह बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

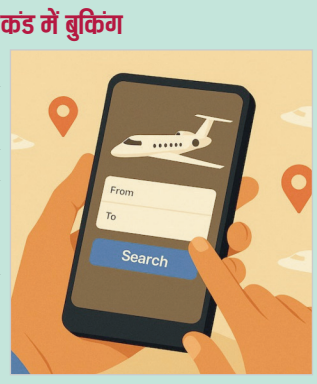

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है।

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई

और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आर्तकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आर्तकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी ह्यआतंकवादह्ल माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थय भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पदार्फाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को

जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरूआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

'केरल' से 'केरलम': पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति?

कांतिलाल मांडोत

नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि 'केरलम' नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं–जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। 'केरलम' नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है।

चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे 'संस्कृति के सम्मान' और 'संविधान सम्मत प्रक्रिया' के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे।

भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है।

दूसरी ओर, विपक्ष इसे 'प्रतीकात्मक राजनीति' बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा 'बांग्ला' नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'केरल' से ह्यकेरलमह्ल का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में लगाए गए कर्फ्यू को हटाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में तनाव के चलते लगाए गए कर्फ्यू को सोमवार को हटा दिया गया। रौतहट जिले में गोर नगरपालिका में शादी की झगड़े के बाद उत्पन्न तनाव के कारण शनिवार से लागू कर्फ्यू सोमवार सुबह 10 बजे हटाया गया। कर्फ्यू हटने के बाद बाजार, यातायात और शैक्षणिक संस्थान सामान्य रूप से खुल गए। राजनीतिक दलों ने शांति बनाए रखने और आपसी सम्मान के लिए जनता से अपील की। गोर में सोमवार सुबह शांति रैली आयोजित की गई। बीते घटनाओं में कम से कम आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। बिरगंज महानगर क्षेत्र के श्रीपुर इलाके में भी पार्किंग विवाद के चलते कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे सोमवार शाम 4:30 बजे हटाया गया। हालांकि, मंगलवार सुबह 8 बजे तक अतिरिक्त प्रतिबंध जारी रहेंगे।

पाकिस्तान : सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में कनाडाई नागरिक गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय साइबर क्राइम जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कनाडाई नागरिक हमजा अहमद खान को गिरफ्तार किया है, जो राज्य संस्थाओं और सुरक्षा बलों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहा था। खान, जो फरवरी 13 को पीएचडी शोध के लिए पाकिस्तान आए थे, को फरवरी 19 से लापता बताया जा रहा था। एनसीसीआईए ने अदालत में प्रस्तुत करते हुए उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। एजेंसी के अनुसार, उनके सोशल मीडिया अकाउंट से गलत जानकारी और अशांति फैलाने वाले संदेश प्रसारित किए जा रहे थे, जिससे पाकिस्तान की आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचने का खतरा था।

बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात, 82 लापता 12 नागरिकों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलोच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने आरोप लगाया गया है कि नए साल की शुरुआत बलूचिस्तान में लगातार गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के साथ हुई। जनवरी में जबरन गायब होने के 82 मामले व 12 हत्याएं दर्ज हुई। बलूचिस्तान के अलग-अलग जिलों के साथ कराची, सिंध में भी जबरन गायब होने और सरकारी संरक्षण में हत्या की कई घटनाएं हुई। इससे सुरक्षा और मानवाधिकार का माहौल बिगड़ रहा है।

पाकिस्तान : अर्धसैनिक बल पर क्वाडकॉप्टर से हमले, 5 सैनिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अर्द्धसैनिक बल फेडरल कांस्टेबुलरी (एफसी) के मुख्यालय पर क्वाडकॉप्टर ड्रोन से किए गए हमले में एफसी के पांच जवान घायल हो गए। पुलिस ने कहा, करक जिले में स्थित एफसी मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया। इमारत पर हमला करने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। घायलों को अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस पर भी चरमपंथियों ने गोलियां चलाईं, जिसमें दो बचाव अधिकारी घायल हो गए।

नीदरलैंड : जेटेन के नेतृत्व वाली नई गठबंधन सरकार ने ली शपथ

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के राजा विलेम एलेक्जेंडर ने रॉब जेटेन के नेतृत्व वाली नई अल्पमत गठबंधन सरकार को शपथ दिलाई। जेटेन (38) नीदरलैंड के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अल्पमत की वजह से उन्हें चार साल का कार्यकाल पूरा करने और विभिन्न विधेयकों को पारित कराने के लिए कई मोर्चों पर समझौता करना पड़ सकता है। जेटेन तीन दलों के गठबंधन का नेतृत्व करते हैं। गठबंधन में उनकी मध्यमार्गी डी-66 पार्टी, मध्य-दक्षिणपंथी व उदारवादी पार्टी शामिल हैं।

जाफना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार की तैयारी में श्रीलंका

जाफना, एजेंसी। श्रीलंका सरकार जाफना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार की योजना बना रही है। ऐसा इसलिए ताकि विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या को समायोजित किया जा सके और उत्तरी प्रांत में पर्यटन को बढ़ावा मिले। नागरिक उड्डयन मंत्री अनुर करुणाथिलका ने कहा कि पलाली स्थित हवाईअड्डे के रनवे को उन्नत कर बड़े यात्री विमानों की लैंडिंग संभव बनाई जाएगी। वर्तमान में यहां चेन्नई और त्रिची से प्रति सप्ताह 10 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, जो 70 सीटों वाले एटीआर-72 विमान हैं।

मेक्सिको- ड्रग माफिया की मौत से 20 राज्यों में हिंसा: 25 सैनिकों समेत 32 मौतें

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। [illegible] के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। दरअसल, मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए।

मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर मेंचो तक पहुंची थी सेना : ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकॉप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बॉडीगार्ड ने दम तोड़ दिया।

136 करोड़ रुपए का इनामी था मेंचो : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल ([illegible]) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुई मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

20 बैंक फूंके, गर्लफ्रेंड से लोकेशन का पता चला

एपस्टीन मामले में ब्रिटेन पुलिस की दूसरी कार्रवाई, पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। एपस्टीन मामले में ब्रिटिश शाही परिवार से जुड़ी पहली गिरफ्तारी के बाद ब्रिटेन पुलिस ने दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। ब्रिटेन की पुलिस ने एपस्टीन फाइल के खुलासों के बाद कदाचार के संदेह में अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन को गिरफ्तार किया है। ब्रिटिश पुलिस ने यह गिरफ्तारी दोषी यौन अपराधी एपस्टीन से उनके संबंधों के खुलासे के बाद की गई। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस फोर्स ने कहा कि 'अधिकारियों ने उत्तरी लंदन के एक पते से सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में 72 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।' 72 वर्षीय मेंडेलसन को सितंबर 2025 में ब्रिटेन की राजनयिक सेवा में सबसे प्रतिष्ठित पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले उनसे जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी भी ली गई थी। ब्रिटिश पुलिस की प्रथा के अनुरूप मेंडेलसन का नाम नहीं लिया गया, लेकिन इस मामले में संदिग्ध की पहचान पहले ही मेंडेलसन के रूप में की जा चुकी है। पुलिस मैंडेलसन से उन दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिनसे पता चलता है कि उन्होंने डेढ़ दशक पहले एपस्टीन को संवेदनशील सरकारी जानकारी दी थी। उन पर यौन दुर्व्यवहार का कोई आरोप नहीं है।

संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा करने का आरोप : रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच इस महीने तब शुरू हुई जब अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज जारी किए। इन फाइलों में ऐसे ईमेल होने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान व्यापार मंत्री रहते हुए, मैंडेलसन ने एपस्टीन के साथ बाजार-संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा की थी। उस समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन थे। मैंडेलसन यूरोपीय आयोग में आयुक्त रह चुके हैं और बाद में अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत नियुक्त हुए। प्रधानमंत्री कीर स्टामर ने उन्हें दिसंबर 2024 में इस पद पर नियुक्त किया था, हालांकि उन पर एपस्टीन से संपर्क बनाए रखने के आरोप पहले से लग रहे थे। सितंबर 2025 में स्टारमर ने उन्हें पद से हटा दिया था। हाल ही में प्रधानमंत्री ने एपस्टीन के पीड़ितों से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी और कहा कि उन्होंने मैंडेलसन पर भरोसा कर उन्हें नियुक्त करने में गलती की।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या करीब 15 साल पहले मैंडेलसन ने संवेदनशील सरकारी सूचनाएं एपस्टीन को दी थीं। जांच जारी है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब एपस्टीन से जुड़े एक अन्य मामले में एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था।

कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई: संदिग्ध ड्रग नाव पर हमला, तीन की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक कथित ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया। इस कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि यह हमला मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था। तब से अब तक ऐसी कार्रवाइयों में कम से कम 151 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिकी सेना का कहना है कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि नाव कैरेबियाई क्षेत्र में तस्करी के रास्ते पर चल रही थी। सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें एक छोटे इंजन वाली नाव को नष्ट होते दिखाया गया। हालांकि यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया कि नाव में वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उनके अनुसार यह कार्रवाई अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए जरूरी है। ट्रंप प्रशासन ऐसे समूहों को 'नार्को-आतंकी' कहता है और सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराता है। इन हमलों की कानूनी स्थिति पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की सैन्य कार्रवाई की वैधता स्पष्ट नहीं है।

पहले भी खुलासा हुआ था कि शुरुआती हमले के बाद बचे लोगों को दोबारा निशाना बनाया गया। इस पर डेमोक्रेटिक नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में फैली फेंटेनिल संकट की जड़ें मुख्य रूप से मैक्सिको से आने वाली तस्करी में हैं। यह ड्रग रसायनों के जरिए तैयार होती है, जिनमें कुछ सामग्री चीन और भारत से आती है। आलोचकों का तर्क है कि समुद्र में छोटी नावों पर हमले समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। सितंबर से अब तक 40 से अधिक हमलों में 151 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। प्रशासन इसे सुरक्षा की जरूरत बता रहा है, जबकि विरोधी दल इसे मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का मुद्दा बना रहे हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द; कई राज्यों में आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बर्फीले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे 'बम चक्रवात' कहा जा रहा है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।' कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा। न्यूयॉर्क शहर में छह साल में पहली बार बर्फबारी के कारण स्कूल बंद किए गए। हालांकि, मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार से स्कूल खोलने की बात कही है, जिसका कुछ अधिकारियों ने विरोध किया है। परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रेल और बस सेवाएं निलंबित हैं। सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण यात्रा करना बेहद खतरनाक हो गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। डोरडैश जैसी डिलीवरी सेवाओं ने भी अपना काम रोक दिया है।

तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है। पावरआउटेज डॉट यूएस के मुताबिक, पूर्वी तट पर 5,70,000 से ज्यादा घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई है। मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी में स्थिति सबसे खराब है। तेज हवाओं के कारण बिजली बहाल करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ लोग इस मौसम का आनंद भी ले रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर पर्यटक नाचते हुए दिखे, तो कुछ लोग स्लेजिंग का मजा लेते नजर आए। लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

'रूस अपने भविष्य, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा', यूक्रेन युद्ध की पांचवीं बरसी से पहले बोले पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता और सच्चाई एवं न्याय के लिए लड़ रहा है, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध मंगलवार को पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन के खिलाफ एक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस साल उसे कुछ बड़े झटके लगे हैं, जिनमें पिछले सप्ताह वोटकिंस्क में उसके मिसाइल कारखाने पर हुआ भीषण हमला भी शामिल है। राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी संघ के हीरो के गोल्ड स्टार पुरस्कार से सम्मानित किए जाने से पहले सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, 'रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता, सत्य और न्याय के लिए लड़ रहा है।' उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में सबसे आगे मजबूत, साहसी और निस्वार्थ लोग हैं: सशस्त्र बलों के सैनिक और अधिकारी, नेशनल गार्ड के सदस्य, आंतरिक मामलों के मंत्रालय के कर्मी, विशेष सेवाएं और इकाइयां।'

पितृभूमि रक्षक दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए पुतिन : आधुनिक रूस में 23 फरवरी को परंपरागत रूप से सोवियत सेना और नौसेना दिवस की निरंतरता के रूप में पितृभूमि रक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले पितृभूमि रक्षक दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा था कि 23 फरवरी को देश में कई दशकों से सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय छुट्टियों में से एक के रूप में मनाया जाता रहा है। पुतिन ने कहा, 'रूसी सैनिकों की वर्तमान पीढ़ी अपने पूर्वजों द्वारा विरासत में मिली वीरता और सम्मान की परंपराओं को आगे बढ़ा रही है। आज एक विशेष सैन्य अभियान के दौरान हमारे विशाल देश के सभी लोगों के प्रतिनिधि कंधे से कंधा मिलाकर वीरतापूर्वक रूस के हितों की रक्षा कर रहे हैं।'

परमाणु शक्ति बढ़ाने को लेकर पुतिन ने कह दी बड़ी बात : उन्होंने सशस्त्र बलों के सदस्यों को आश्वासन दिया कि क्रेमलिन बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष सैन्य अभियान के दौरान प्राप्त युद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए और रूसी उद्योग, विज्ञान और औद्योगिक एवं उच्च-तकनीकी कंपनियों की शक्तिशाली ताकतों पर भरोसा करते हुए, सेना और नौसेना को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने घोषणा की, 'परमाणु शक्ति का विकास, जो रूस की सुरक्षा की गारंटी के रूप में कार्य करता है और विश्व में रणनीतिक प्रतिरोध और शक्ति संतुलन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करता है, एक निर्विवाद प्राथमिकता बनी हुई है और सशस्त्र बलों के लिए उन्नत प्रणालियों के विकास में तेजी लाने का संकल्प लिया।' सरकारी टीवी चैनल रॉसिया-24 ने बताया कि सोवियत रेड आर्मी और नौसेना दिवस के विपरीत, पितृभूमि रक्षक दिवस इतिहास के सभी रक्षकों का सम्मान करता है, जिसमें नेपोलियन युद्ध और नाजी जर्मनी की आक्रामकता भी शामिल है।

ट्रंप की बढ़ेगी परेशानी, टैरिफ से वसूली गई रकम वापस करने की मांग को लेकर डेमोक्रेट्स ने खोला मोर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप सरकार के टैरिफ को अवैध बताने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने अभी तक जो 175 अरब डॉलर टैरिफ से वसूले हैं, उन्हें क्या वापस किया जाएगा? अब विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस टैरिफ को वापस करने की मांग को लेकर ट्रंप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीनेट के तीन डेमोक्रेट सांसदों ने सरकार से लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर की टैरिफ आय वापस करने की मांग की है।

प्रस्ताव में क्या है : ओरेगन के सीनेटर रॉन वाइडन, मैसाचुसेट्स के एड मार्की और न्यू हैम्पशायर की जीन शहीन ने सोमवार को एक विधेयक पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को 180 दिनों के भीतर रिफंड जारी करना होगा और लौटाई जाने वाली राशि पर ब्याज भी देना होगा। प्रस्ताव में छोटे व्यवसायों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है और आयातकों, थोक विक्रेताओं तथा बड़ी कंपनियों से अपील की गई है कि वे यह राशि अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं।

वाइडन ने कहा, 'ट्रंप के अवैध टैरिफ ने अमेरिकी परिवारों, छोटे व्यवसायों और उत्पादकों को गहरी क्षति पहुंचाई है, जो नए-नए टैरिफ की मार झेलते रहे हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समस्या के समाधान की सबसे पहली कड़ी यह है कि जितनी जल्दी हो सके छोटे व्यवसायों और निर्माताओं की जेब में पैसा वापस डाला जाए। हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम है, लेकिन इससे यह

संकेत मिलता है कि डेमोक्रेट्स अब ट्रंप प्रशासन पर सार्वजनिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन टैरिफ राजस्व लौटाने में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स जनता से कह रहे हैं कि ट्रंप ने अवैध रूप से कर बढ़ाए और अब अमेरिकी लोगों को वह पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं। शहीन ने कहा कि टैरिफ के कारण बढ़ी कीमतों से हुए नुकसान की भरपाई की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ करों की वापसी से होनी चाहिए। वहीं मार्की ने कहा कि छोटे व्यवसायों के पास बहुत कम या कोई संसाधन नहीं होते और रिफंड की प्रक्रिया उनके लिए बेहद जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा- उनके हाथ बंधे हुए हैं : ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि किसी भी रिफंड का फैसला आगे की अदालती कार्यवाही के जरिए ही होना चाहिए। जब व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई से पूछा गया कि क्या ट्रंप मानते हैं कि कांग्रेस को रिफंड प्रक्रिया में भूमिका निभानी चाहिए।

बांग्लादेश: रमजान पर कैरम-टीवी बैन, पुलिस का अजीबोगरीब फरमान; शीर्ष अधिकारियों ने झाड़ा पल्ला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कुश्तिया सदर उप जिला में एक पुलिस अधिकारी ने रमजान के दौरान एक चाय की दुकान के मालिक को कैरम खेलना बंद करने और टेलीविजन देखने का आदेश दिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के किसी भी निर्देश के अभाव के बावजूद ये आदेश जारी किया गया।

यह घटना पाटिकबारी बाजार इलाके में कुश्तिया-3 जमात-ए-इस्लामी के सांसद आमिर हमजा के दौरे के दौरान हुई। सांसद के साथ इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पाटिकबारी पुलिस कैंप के प्रभारी मोशिउल आजम भी थे।

पुलिस अधिकारी ने दिए आदेश : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मोशिउल आजम को चाय की दुकान के मालिक की ओर गुस्से से उंगली उठाते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 20 फरवरी की रात का बताया जा रहा है। वीडियो में यह कहते हुए दिखाया गया है, 'रमजान के दौरान न कैरम, न टीवी - यह आखिरी फैसला है।' बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने पुलिस अधिकारी के हवाले से यह बात कही, 'वे वहां कैरम खेल रहे हैं। क्या मैंने इसे बंद नहीं कराया था? यह अभी भी क्यों चल रहा है? क्या मैं तुम्हारी पिटाई करवा दूं? क्या मैंने कुछ दिन पहले बाजार समिति को फोन करके यह नहीं कहा था कि तरावीह के दौरान एक महीने तक न कैरम चलेगा, न टीवी? यह अभी भी क्यों चल रहा है।

साथ में खड़े थे सांसद आमिर हमजा : उस समय, पुलिस अधिकारी के बगल में खड़े सांसद आमिर हमजा ने अपेक्षाकृत शांत स्वर में कहा, 'यह रमजान का महीना है, इबादत का महीना। आप जो भी करें, कम से कम नमाज के समय ये काम न करें।' रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगली रात, 21 फरवरी को चाय की दुकान समेत

बाजार की ज्यादातर दुकानें बंद थीं। कुछ प्रतिष्ठान आधे शटर खुले रखकर खुले थे, क्योंकि अंदर काम जारी था।

बाजार में रमजान के स्वामित्व वाली एक और चाय की दुकान खुली रही। टेलीविजन चालू था, लेकिन कैरम का कोई खेल नहीं खेला जा रहा था। टेलीविजन देखने के संबंध में पुलिस की चेतावनी के बारे में पूछे जाने पर रमजान ने अपना सिर झुका लिया और कहा, 'यहां केवल कुछ ही लोग बैठते हैं। वे बस थोड़ी देर के लिए टीवी देखते हैं।'

आदेश पर क्या बोले स्थानीय लोग : उस समय स्टॉल पर पहुंचे पाटिकबारी यूनियन के वार्ड परिषद सदस्य काशेम ने कहा कि अचानक सब कुछ बंद करना उचित नहीं है, क्योंकि युवाओं को कुछ मनोरंजन की आवश्यकता होती है। हालांकि, डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी मसूद राणा ने कहा कि अधीनस्थों को ऐसे कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। कुश्तिया के पुलिस अधीक्षक जसीम उद्दीन ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह घटना किसी आधिकारिक पुलिस आदेश से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, 'रमजान के दौरान चाय की दुकानें खुली रहनी चाहिए या नहीं, यह कानून का मामला नहीं है। यह लोगों की भावनाओं का मामला है कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं। हम इसके लिए किसी को दंडित नहीं कर सकते।

कुछ पल सिर्फ तुम्हारे–मेरे

वैवाहिक जीवन में उष्णता बनाए रखना दूर जाने से ज्यादा आसान है। मन में कई तरह की गलतफहमियों, अहंकार तथा कड़वेपन को जगह देने की बजाय यदि पति-पत्नी छोटी-छोटी बातों से एक-दूसरे के दिल में बने रहें तो जिंदगी से शायद किसी को शिकायत भी न हो। इससे दाम्पत्य जीवन में हमेशा ताजगी भी बनी रहती है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अदिति ने अपने ही सहकर्मी अतुल से पाँच वर्ष पूर्व विवाह किया है। वे कहती हैं-'यह सही है कि जिंदगी पहले से कहीं ज्यादा रफ्तार भरी हो गई है, लेकिन उसमें से कुछ पल भी अगर हम सिर्फ और सिर्फ अपने लिए चुरा लें तो हमारे बीच का बंधन और मजबूत हो जाता है। चाहे कुछ भी क्यों न हो जाए अतुल और मैं हर साल दस दिन की छुट्टी लेते हैं और आस-पास ही कहीं ऐसी जगह चल पड़ते हैं जहाँ घर और ऑफिस की टेंशन न हो। आप यकीन नहीं मानेंगे कि दस की दिन वे छुट्टियाँ हम दोनों में साल भर के लिए एनर्जी भर देती हैं। इससे हमारे काम करने की इच्छाशक्ति और 'कैपेबलिटी' भी बढ़ जाती है। अब तो किसी बड़े प्रोजेक्ट के आने से पहले मेरे बॉस भी हँसी-हँसी में कह देते हैं कि अदिति, अतुल से बोलो तुम्हें कहीं घुमा लाए। यकीन मानिए, एक-दूसरे के साथ बिताया एक-एक पल आपके लिए जिंदगी भर की अनमोल याद बन जाता है।'

दिन ब दिन व्यस्त होती जिंदगी के बीच रिश्तों में करीबियाँ लाने के लिए लोग अब पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो गए हैं। छोटे परिवारों और बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच दाम्पत्य जीवन को भी सुदृढ़ तथा प्रवाहमान बनाए रखने के लिए अब लोग पहले से कहीं ज्यादा प्रयोग करने लगे हैं तथा समय देने लगे हैं। एक निजी बुटीक की संचालक पायल मल्होत्रा कहती हैं- 'प्रकाश (पायल के पति) का प्रॉपर्टी का बिजनेस है। उनके पास टाइम की बहुत कमी होती है। फिर जब भी कुछ प्रोग्राम बनाओ कुछ न कुछ अड़ंगे लगे ही रहते हैं। इसके चलते हम पिछले पाँच सालों से दिल्ली के बाहर नहीं जा पाए, लेकिन प्रकाश इस बात को समझते हैं और हम कम से कम महीने में एक बार छत पर साथ बैठकर बतियाने या वीसीडी पर एक अच्छी-सी फिल्म देखने का प्रोग्राम बना ही लेते हैं। हमारी कोशिश होती है कि हम अपने बीच 'कम्युनिकेशन गैप' न आने दें और कैसे भी करके अपने लिए कुछ घंटे निकाल ही लें। जिंदगी की भागदौड़ और काम तो लगे ही रहते हैं। वो कभी खत्म नहीं होने वाले लेकिन उनके पीछे अपने रिश्ते में दूरियाँ पैदा कर लेना बिलकुल गलत है।'

सच तो है, एक-दूसरे के प्रति प्रेम और भावनाओं को यदि जगह नहीं दी गई तो पति-पत्नी का रिश्ता कितना रूखा होकर रह जाएगा। इसके लिए यह भी कतई जरूरी नहीं कि आप किसी पाँच सितारा होटल, विदेशों की सैर या महँगे गिफ्ट्स को ही माध्यम बनाएँ। यह काम तो एक साथ बैठकर सुबह की चाय की चुस्कियाँ लेने, एक फूल उपहार में दे देने, छुट्टी के दिन साथ बैठकर कोई फिल्म देख लेने या फिर पुराने एल्बम के साथ यादों के पन्नो पलटते हुए भी किया जा सकता है। ये बातें आपको न केवल एक-दूसरे के करीब लाएँगी बल्कि एक-दूसरे की उन खूबियों-खामियों से भी परिचित करवा जाएँगी, जिनके बारे में आप जानते नहीं थे। इसलिए जीवन के इन अनमोल पलों की कद्र कीजिए और एक-दूसरे को वक्त दीजिए ताकि आपका दाम्पत्य जीवन हमेशा तरोताजा बना रहे। फिर जब पचास साल बाद भी यादों की पोटली खोलें तो इन पलों की सुनहरी दमक पूरी जिंदगी को रोशन कर डाले।

स्पेशल क्लोव कुकीज

सामग्री- मैदा तीन कप, चीनी 1 कप, मक्खन या घी 1/2 कप, मलाई (फेंटी हुई) 1/2 छोटा चम्मच, बेकिंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, जायफल पावडर चुटकी भर, लौंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, किशमिश 1/2 कप।

विधि- किशकिश को छोड़कर सारी सामग्री को मिक्सर में मिक्स करें। किशमिश डालकर मिश्रण को रातभर फ्रीज में रख दें। ओवन को अच्छा गरम कर लें। अब मिश्रण की एक पतली रोटी बेलकर उस पर शकर छिड़क दें। अब एक कटर या तेज चाकू से बेली हुई रोटी के मनचाहे शेप में कुकीज काट लें और कुकीज बेक करने वाली ट्रे पर रख दें। ट्रे को ओवन में रखकर 8 से 10 मिनट या ब्राउन होने तक बेक करें। ठंडा होने पर सर्व करें।

करियर में सफलता के लिए

- काम शुरू करने से पहले अच्छी तरह प्लानिंग करें। अपनी रूचि, क्षमता व योग्यता के आधार पर कारोबार या जॉब का चुनाव करें।
- अपने करियर प्लान को गोपनीय रखना सफलता के लिए जरूरी है।
- करियर चुनने के पूर्व उसके बारे में समूची जानकारी जुटा लें। उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से बात करें।
- उस नए क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी के सामने आप कैसे टिकेंगे, इन सब बातों पर भी पहले विचार कर लें। निर्णय लेने में दिल व दिमाग दोनों का इस्तेमाल करें।
- आपके पास कितनी पूंजी है, किस बैंक व किस शाखा से लोना लेंगे, कौन-सा बैंक किस व्यवसाय के लिए कितना लोन देता है, ब्याज दर, लोन चुकाने की प्रक्रिया, भुगतान कैसे करेंगे-इन तमाम पहलुओं पर विचार करें।
- घर से व्यवसाय शुरू करने की स्थिति में परिवार के सदस्यों से बात करें और उनसे विश्वास व सहयोग की उम्मीद जताएं।
- परिवार के बुजुर्गों तथा उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी विचार-विमर्श करें, ताकि उनके अनुभवों का लाभ मिल सके।
- आपका नजरिया स्पष्ट व आशावादी हो। कंफ्यूजन में न रहें।
- करियर की मांग, समय व परिस्थिति के अनुकूल खुद को ढाल लें।
- संभावित कठिनाइयों व परेशानियों का आकलन करें और काल्पनिक व वास्तविक समस्याओं को सूझबूझ से हल करें।
- कई समस्याएं एक साथ आ जाने पर उन्हें एक-एक कर सुलझाएं और इस दौरान अपना संयम, धैर्य व आत्मविश्वास बनाए रखें।
- अपने फील्ड से संबंधित संस्थानों व लोगों का नाम-पता व उन तक पहुंचने का जरिया तलाशें। यह भी देखें कि किन लोगों का सहयोग व पथ-प्रदर्शन आपको स्थिरता देगा।
- जो भी करें, पूरे दिल से करें। ऑफिस में काम के घंटे गुजारना ही करियर नहीं होता।
- नई जगह, नए काम, नए माहौल व नए सहयोगियों से तालमेल बनाएं। मेहनत, सहयोग व ईमानदारी से लोगों का दिल जीतें।
- अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। हर काम को शॉर्टकट करने की आदत छोड़ें।
- उदारता, विचारों में लचीलापन और समय की पाबंदी सफलता दिलाती है।
- किसी को अपने आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचाने दें, न दूसरों के साथ ऐसा करें। दोस्ती एक मर्यादा में रहकर करें।
- बात-बात पर झूठ न बोलें।
- देश-विदेश की ताजा खबरों व लेटेस्ट टॉपिक्स पर नजर रखें। बिजनेस व मार्केट के दांवपेंचों का बारीकी से अध्ययन करें।
- दिनभर के काम का आकलन करें और खुद से पूछें कि क्या आप संतुष्ट हैं? अगर नहीं, तो मन को स्थिर रखते हुए उपलब्धियों की ओर बढ़ने के लिए जी-जान से जुट जाएं।

ब्यूटी टिप्स

- यदि लिपस्टिक लगाने पर मुंह के चारों ओर बारीक लकीरें पर फैल जाती है तो लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर हल्का-सा फाऊंडेशन लगाएं, उसके बाद होंठों की बाहरी रेखा को लिप पैंसिल से बनाएं फिर ब्रश की सहायता से लिपस्टिक लगाएं।
- यदि आपका चेहरा चौकोर है तो जॉ-लाइन के सिरों पर त्रिकोण बनाते हुए शेड दें, बालों को छोटा रखें और उन्हें कंधे तक फैलाएं।
- यदि आपका रंग दबा हुआ है तो फाऊंडेशन का प्रयोग कम करें।
- अगर चेहरा रूखा है तो मेकअप करने से पहले बर्फ के टुकड़े को कपड़े में लपेटकर चेहरे पर धीरे-धीरे लगाएं। इससे चेहरे का रूखापन तो दूर होगा ही साथ ही मेकअप भी काफी देर तक टिका रहेगा।
- सोने से पूर्व मेकअप जरूर हटा लें। क्लींजिंग मिल्क या कच्चे दूध से चेहरा साफ करें।
- मेकअप करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप किस अवसर के लिए कैसा मेकअप कर रही हैं।
- रात को सोने से पहले दूध की मलाई में थोड़ा-सा नींबू तथा कुछ बूंदें ग्लिसरीन मिलाकर हाथों पर मलें। कुछ देर बाद रूई से पौंछ लें। हाथ मुलायम हो जाएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1999

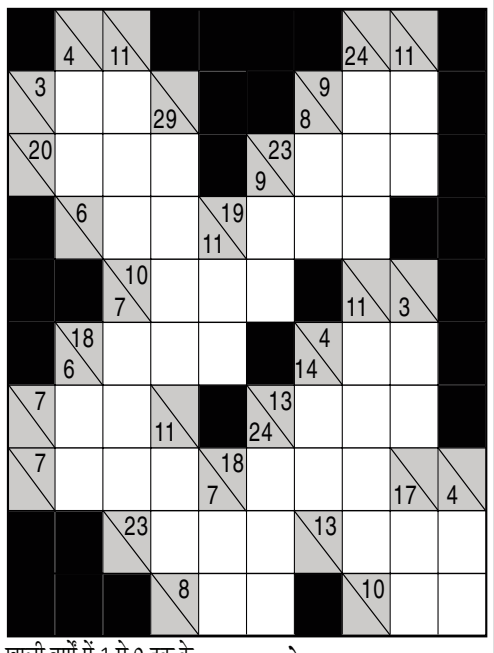

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

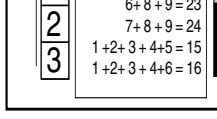

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1998 का हल

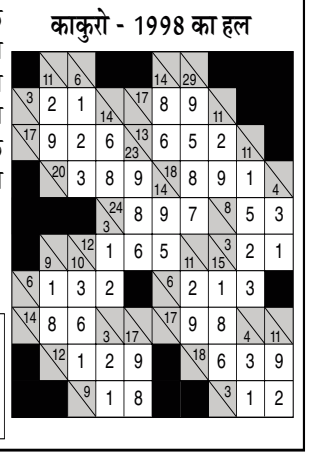

हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 1999

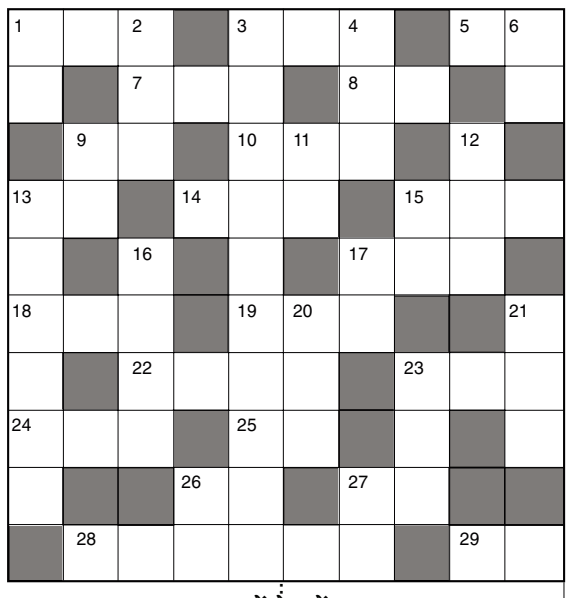

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1998

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रे		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
रॉ	की		र	जि	या	सु	ल्ला	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

सूडोकु -1999

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1998 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 1999

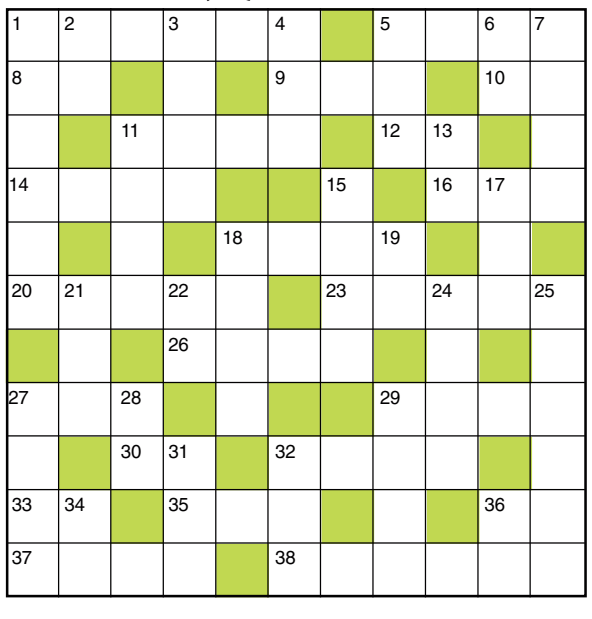

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली - 1998 का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

कोकिलाबेन अंबानी ने श्रीनाथजी मंदिर में मनाया जन्मदिन

एजेंसी

राजसमंद। रिलायंस समूह के अध्यक्ष मुकेश अंबानी और उद्योगपति अनिल अंबानी की माता कोकिलाबेन अंबानी ने अपना जन्मदिन प्रभु श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा में श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया। इस अवसर पर अंबानी परिवार के सदस्य सायंकाल नाथद्वारा पहुंचे और श्रीनाथजी के भोग आरती की झांकी के दर्शन किए।मंदिर परिसर में अंबानी परिवार की अगवानी मंदिर मंडल के मुख्य निष्पादन अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडे, पुलिस उपाधीक्षक शिप्रा राजावत, श्री कृष्ण भंडार के अधिकारी सुधाकर उपाध्याय तथा सहायक उपाध्यक्ष अनिल सनाढ्य सहित अन्य अधिकारियों ने की। दर्शन के पश्चात परिवारजन मोती महल पहुंचे, जहां तिलकायत पुत्र विशाल बाबा ने पारंपरिक रीति से उनका स्वागत-सम्मान किया। जन्मदिन के अवसर पर मोती महल चौक में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें परिवार के सदस्यों ने सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। कोकिलाबेन के साथ मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी भी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा यह लोकतंत्र को दबाने का प्रयास है। यहां युवा कांग्रेस मुख्यालय में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय महासचिवों, सचिवों और विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए और टी-शर्ट उतारकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरपाल चुदुषमा ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है। किसानों, युवाओं और उद्योगों से जुड़े मुद्दों पर सच्चाई को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी गलत है।

पश्चिम बंगाल की अदालतों को उड़ाने की धमकी पर मुख्य सचिव ने कहा, न्यायाधीशों की सुरक्षा के लिए राज्य प्रतिबद्ध

कोलकाता। राज्य के विभिन्न अदालतों को विस्फोट की धमकी मिलने के बाद मंगलवार अपराह्न राज्य सचिवालय में उच्चस्तरीय बैठक के पश्चात मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने स्पष्ट किया कि न्यायाधीशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिला न्यायाधीश अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं और उन्हें हर प्रकार की सुरक्षा व सहयोग प्रदान किया जाएगा। दिन बढ़ने के साथ अदालतों में कार्य जारी था, तभी अचानक कई अदालतों को विस्फोट की धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। इनमें सिटी सिविल कोर्ट, आसनसोल जिला न्यायालय, दुर्गापुर महकमा न्यायालय तथा मुर्शिदाबाद जिला न्यायाधीश न्यायालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही एहतियातन अदालत परिसरों को खाली करा लिया गया और पुलिस ने श्वान दस्ते की सहायता से सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसे लेकर मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा, कोलकाता के पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार तथा पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को संबोधित किया और लोगों से अनावश्यक रूप से भयभीत न होने की अपील की।

तेलंगाना में चार माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। प्रतिबंधित कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) के चार वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण कर दिया और राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शिवधर रेड्डी की उपस्थिति में मुख्यधारा में लौट आए। पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो सदस्य टिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी उर्फ कुम्मा दादा, सेंट्रल कमेटी सदस्य मल्लराजी रेड्डी उर्फ संग्राम उर्फ रंगाराम, तेलंगाना स्टेट कमेटी सचिव बड़े चोक्का राव उर्फ दामोदर उर्फ जगन तथा स्टेट कमेटी सदस्य नून नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना उर्फ रन्ना दादा शामिल हैं। डीजीपी शिवधर रेड्डी ने इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पिछले दो वर्षों में कुल 591 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। इनमें चार सेंट्रल कमेटी सदस्य, 16 राज्य कमेटी सदस्य, 26 डिवीजन कमेटी सदस्य एवं सचिव, 85 एसीएस तथा 60 अन्य सक्रिय सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जन्मे और पले-बढ़े 11 माओवादी अभी भी छिपे हुए हैं, जिनमें से कुछ वार्ता कर रहे हैं और उनके भी जल्द आत्मसमर्पण करने की संभावना है। डीजीपी ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आह्वान पर कई माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सार्वजनिक जीवन में लौटने की इच्छा जताई है। सरकार आत्मसमर्पण करने वालों को घोषित इनाम राशि और पुनर्वास पैकेज तत्काल उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है-जो हथियार छोड़ेंगे, उन्हें सम्मानजनक जीवन दिया जाएगा। इस अवसर पर डीजीपी ने सरेंडर में अहम भूमिका निभाने वाली स्पेशल इंटेलिजेंस की महानिरीक्षक (आईजी) सुमति और उनकी टीम की सराहना की।

सफल होने के लिए दिमाग से ज्यादा दिल की सुनें: रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि हिंसा अशांति और निराशा से निकलने के लिए दिमाग से ज्यादा दिल की सुनें, तभी पूर्ण रूप से अपने क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। रामबहादुर राय ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित आईजीएनसीए के कलानिधि विभाग की ओर से 'महिलाएं काम और शांति' पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम में कही। वरिष्ठ पत्रकार विश्लेषक एवं लेखिका नीलम गुप्ता द्वारा अनुवादित इस पुस्तक का प्रकाशन 'नवजीवन सामप्रत' ने किया है। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, अगर आपको अंधेरे से बाहर निकलना है, आप रोशनी की तलाश में हैं, तो यह पुस्तक सूरज की किरण की तरह काम करेगी इस पुस्तक की लेखिका इला रमेश भट्ट (1933-2022) के विचारों को भारतीय समाज में महिला सशक्तिकरण श्रम गरिमा और शांति स्थापना के महत्वपूर्ण आयामों से

जोड़ते हुए राय ने कहा कि उनकी अनुवादित यह पुस्तक समकालीन समाज के लिए प्रेरक मार्गदर्शक का कार्य करेगी। यह पुस्तक भाषणों का संकलन है लेकिन इसमें सिर्फ बोले हुए शब्द नहीं है बल्कि गहन अनुभव हैं और ये अनुभव आकाश जैसा है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में सिर्फ भारतीय महिलाओं की चिंता नहीं है बल्कि दक्षिण-एशियाई महिलाओं की चिंता है। इला भट्ट से अपनी मुलाकात को याद करते हुए नीलम ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि वह पहली बार 1989 में दिल्ली में तब मिली थीं जब वे राज्यसभा सदस्य थीं। उन्होंने आर्थिक रूप से पिछड़ी और कामकाजी महिलाओं की सहायता के लिए 'सेवा बैंक' की नींव रखी थी। आज यह बैंक 23 राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहा है। उन्होंने कहा, उनकी पुस्तक 'अनुबंध' का अनुवाद भी मैंने ही किया था और बाद में मुझे इस वर्तमान पुस्तक के अनुवाद का उत्तरदायित्व भी सौंपा गया।' उन्होंने सुझाव दिया कि नए अनुवादकों को सबसे पहले पुस्तक को गहराई से पढ़ना चाहिए ताकि वे उसके मूल भाव को समझ सकें और उसी के अनुरूप शब्दों का चुनाव करें। लेखन का एक बड़ा उद्देश्य यह दिखाना है कि महिला सशक्तिकरण केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह 'विश्व शांति' के लिए भी अनिवार्य है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तो समाज में स्थिरता और शांति आएगी।इस मौके पर गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति सुदर्शन आयंगर वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता रजनी बख्शी सामाजिक कार्यकर्ता रेनाना झाबवाला और शोधार्थियों, पत्रकारों सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति रही।

दिल्ली के छह नए सीएएक्यूएमएस स्टेशनों ने डेटा देना शुरू किया : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में छह नए सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएएक्यूएमएस) स्टेशनों ने डेटा देना शुरू कर दिया है। इसके साथ राजधानी में ऐसे स्टेशनों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जो देश में सबसे ज्यादा है। इन स्टेशनों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), इसरो अर्थ स्टेशन (मलचा महल, सेंट्रल रिज के पास), दिल्ली कैंट, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (वेस्ट कैंपस) शामिल हैं। इन सभी स्थानों से अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की वेबसाइट पर लाइव डेटा देखा जा सकता है।

अधिकारी इन स्टेशनों के प्रदर्शन पर लगातार नजर रखे हुए हैं और एक हफ्ते के भीतर इनका पूरा डेटा केंद्रीय पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा कि ये नए स्टेशन प्रदूषण के खिलाफ डेटा आधारित कार्रवाई को मजबूत करते हैं। लाइव डेटा से तुरंत और सही कदम उठाए जा सकते हैं। सीपीसीबी से जुड़ने के बाद पूरे शहर की एकसाथ जानकारी मिलेगी, जो साफ हवा के हमारे संकल्प को और मजबूत करेगी। इन स्टेशनों से अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण के स्तर की जानकारी मिलेगी, जिससे पर्यावरण की बेहतर योजना बनाने में मदद होगी। पीएम 2.5, पीएम 10 और अन्य प्रदूषकों के स्तर की हाइपर-लोकल जानकारी अब उपलब्ध रहेगी, जिससे ठोस और साक्ष्य आधारित कदम उठाए जा सकेंगे।

चीन को जवाब देने का वक्त आया तो सरकार चुप रही : राहुल गांधी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित कांग्रेस की 'किसान महा चौपाल' में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा। यह कार्यक्रम भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध में आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्होंने संसद में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की किताब पर चर्चा करनी चाही, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि किताब में जिक्र है कि चीन के टैंक भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे थे। राहुल गांधी के अनुसार, उस समय नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर आदेश मांगे, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा कि नरवणे ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी संपर्क किया, लेकिन प्रतिक्रिया नहीं मिली। राहुल गांधी ने आरोप

लगाया कि करीब दो घंटे बाद नरवणे ने फिर रक्षा मंत्री से बात की और प्रधानमंत्री से संपर्क करने को कहा। उनके अनुसार, सीधे बात किए बिना संदेश भेजा गया कि 'जो उचित समझो, वो करो।' राहुल गांधी ने दावा किया कि किताब के अनुसार उस दिन सरकार ने सेना को अकेला छोड़ दिया। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद परंपरा के अनुसार नेता प्रतिपक्ष को बोलने का अवसर मिलता है, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है। सभा के दौरान राहुल गांधी ने देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में 22 फरवरी को हुई घटना देश में महिलाओं, खासकर पूर्वोत्तर की महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाती है।

उन्होंने बताया कि नागालैंड की एक महिला डॉक्टर का पीछा किया गया, उसे टिप्पणियों का सामना करना पड़ा और कथित रूप से दुष्कर्म किया गया। उन्होंने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता और असुरक्षा को दर्शाती हैं। इसके अलावा उन्होंने यूथ कांग्रेस को लेकर कहा कि यूथ कांग्रेस के साथियों, आप 'बब्बर शेर' हो। आप किसी से नहीं डरोगे।

बंगाल एसआईआर विवाद: तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का किया स्वागत

चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मियां जारी है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने भारत निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाया है। तृणमूल कांग्रेस ने एक्स पर लिखा है, भारत निर्वाचन आयोग ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के संचालन पर अपना नियंत्रण प्रभावी रूप से खो दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लगातार आग्रह किए जाने पर इसके नियम और शर्तें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट रूप से निर्धारित की जा रही हैं। आज एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की घोर अक्षमता और प्रशासनिक विफलता के कारण उत्पन्न भारी गतिरोध को दूर करने के लिए पड़ोसी राज्यों के न्यायाधीशों की तैनाती की अनुमति देने के लिए विवश होना पड़ा। यह हस्तक्षेप अपने आप में बहुत कुछ कहता है।

कोर्ट ने दोहराया कि चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचित या बाद में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत सभी दस्तावेज, जिनमें आधार और माध्यमिक प्रवेश पत्र शामिल हैं,

लंबित दावों और आपत्तियों के निपटान के लिए स्वीकार किए जाने चाहिए। यह स्पष्ट निर्देश भाजपा-चुनाव आयोग द्वारा मनमाने ढंग से नियमों को बदलने और दस्तावेजी मानकों में हेरफेर करने के प्रयास को विफल कर देता है।

बंगाल में मतदाताओं को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने, डराने-धमकाने और परेशान करने की साजिश एक बार फिर न्यायिक बाधा से टकरा गई है। चुनाव आयोग जैसे संस्थानों को कानून की सीमाओं के भीतर कार्य करना चाहिए, न कि पक्षपातपूर्ण हितों के इशारे पर।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया में ओडिशा और झारखंड के न्यायिक अफसर शामिल किए जाने के आदेश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर विवाद पर जारी सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इनके खर्च का वहन निर्वाचन आयोग को करने का आदेश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी को पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी है। कोर्ट के इस फैसले का तृणमूल कांग्रेस ने स्वागत किया है।

नजफगढ़ ड्रेन के दोनों किनारों पर दो-लेन सड़क बनाने की परियोजना को मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य शहर से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित वित्त व्यय समिति की बैठक में नजफगढ़ ड्रेन के दोनों किनारों पर दो-लेन सड़क बनाने की परियोजना को मंजूरी दी गई। इस परियोजना पर कुल 453.95 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना का प्रमुख मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक दबाव कम करना, यात्रा समय और ईंधन खपत में कमी लाना व वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को घटाना है। यह परियोजना दिल्ली के परिवहन ढांचे को नई दिशा देगी और राजधानी में एक वैकल्पिक इंट्रा-सिटी कॉरिडोर विकसित करेगी। दिल्ली सचिवालय में आयोजित समिति की बैठक में सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश

साहिब सिंह भी उपस्थित रहे।

परियोजना की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि झटीकरा ब्रिज से छावला ब्रिज तक बाएं किनारे पर 5.94 किलोमीटर लंबी दो-लेन सड़क बनेगी, जबकि छावला से बसईदारापुर तक ड्रेन के दोनों किनारों पर 27.415 किलोमीटर लंबाई में सड़क का निर्माण किया जाएगा, जो दोनों किनारों पर मिलाकर 54.83 किलोमीटर होगा। कुल विकसित लंबाई 60.77 किलोमीटर होगी। यह मार्ग आउटर रिंग रोड, इनर रिंग रोड, शिवाजी मार्ग, पंखा रोड, यूईआर-2 (एनएच-9 रोहतक रोड से कनेक्टिविटी), नजफगढ़ रोड और अन्य प्रमुख सड़कों से इंटरकनेक्टिविटी प्रदान करेगा। बसईदारापुर में इनर रिंग रोड, केशोपुर में आउटर रिंग रोड, विकासपुरी में पंखा रोड, ककरोला में नजफगढ़ रोड और धूलसिरस में यूईआर-2 के माध्यम से एयरपोर्ट और द्वारका एक्सप्रेसवे से सीधा संपर्क स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना ढांसा से लेकर बसईदारापुर तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हुए उत्तम नगर, विकासपुरी, नजफगढ़, बिजवासन, छावला, गोयला डेयरी, द्वारका, बापरोला, निलोठी, पश्चिम विहार, राजौरी गार्डन और आईजीआई एयरपोर्ट सहित अनेक क्षेत्रों को लाभान्वित करेगी। साथ ही गुरुग्राम सेक्टर-104 और सेक्टर-110 तक संपर्क सुदृढ़ होगा, जिससे दिल्ली और हरियाणा के बीच कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। द्वारका एक्सप्रेसवे से जुड़े गालिबपुर, रावता मोड़, दौराला, झुझुली, सारंगपुर, ढांसा, घुम्मनहेड़ा, शिकारपुर, झटीकरा, कांगनहेड़ी और छावला जैसे गांवों को भी बेहतर संपर्क मिलेगा। यह परियोजना सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक होगी।

18 महीने बाद बांग्लादेश के रास्ते अगरतला-कोलकाता 'मैत्री' बस सेवा फिर से शुरू

एजेंसी

अगरतला। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के रास्ते अगरतला और कोलकाता को जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित 'मैत्री' अंतरराष्ट्रीय बस सेवा 18 महीने के अंतराल के बाद फिर से नियमित रूप से शुरू हो गई है। मैत्री अंतरराष्ट्रीय बस सेवा की पहली बस सोमवार को कोलकाता से रवाना होकर ढाका होते हुए अगरतला पहुंची। अगरतला (भारत)-अखौरा (बांग्लादेश) एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पर यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर त्रिपुरा के परिवहन एवं पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी, त्रिपुरा रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (टीआरटीसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष समर रॉय और आईसीपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री चौधरी ने कहा कि ढाका के रास्ते अगरतला-कोलकाता बस सेवा की बहाली एक स्वागतयोग्य और सुखद पहल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के विकास के लिए आपसी मित्रता जरूरी है और यह बस सेवा विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। टीआरटीसी के कार्यवाहक अध्यक्ष समर रॉय ने बताया कि अगरतला-ढाका बस सेवा भी जल्द शुरू होने की संभावना है। 35 सीटों वाली राज्य सरकार की बस सप्ताह में तीन दिन अगरतला से और तीन दिन कोलकाता से रवाना होगी। दोनों सेवाएं ढाका के रास्ते त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल को जोड़ेंगी। अगरतला-ढाका-कोलकाता और अगरतला-ढाका बस सेवाएं पहले कोविड-19 महामारी के दौरान निलंबित की गई थीं और जून 2022 में दोबारा शुरू हुई थीं।

पीएम मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर यात्रा -- सीएम ने आयोजन स्थल पर किया तैयारियों का अवलोकन

अजमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अजमेर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। शर्मा ने सभा स्थल कायड़ विश्राम स्थली का अवलोकन किया और उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगातें देंगे।

धर्म परिवर्तन के मामले में दो बहनों सहित चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर शोषण और कथित धर्म परिवर्तन कराने वाले एक संगठित नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में दो सगी बहनों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत मिली थी कि दो बहनें लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनका शोषण कर रही हैं और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने लड़कियों को अपने परिचित युवकों के साथ भी भेज दिया है। जब ये लड़कियां विरोध करती हैं तो उन्हें बदनाम करने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। उन्होंने बताया कि पीड़िताओं ने यह भी बताया कि ये लोग हिंदू लड़कियों को बुर्का पहनने और धर्म बदलने के लिए भी दबाव बना रहे हैं। जो लड़कियां इनके संपर्क में एक बार आ जाती हैं, उन्हें ये कई राज्यों में भेजते हैं और मुस्लिमों के साथ रहने को मजबूर भी करते हैं। पुलिस ने मामले में अमरीन उर्फ माहिरा, आफरीन और चंदन यादव को

गिरफ्तार कर लिया है। बाद में एक अन्य आरोपी को भी हिरासत में लिया गया, जिससे कुल चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। वहीं, बिलाल, चानू और यासिर नामक तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धर्म परिवर्तन, दुष्कर्म और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को मुख्य आरोपी अमरीन उर्फ माहिरा के मोबाइल फोन से कई संदिग्ध व्हाट्सऐप ग्रुप मिले हैं, जिनमें लड़कियों की जानकारी और लेन-देन से जुड़े संदेश होने की आशंका है। पुलिस इन डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि कुछ पीड़िताओं को भोपाल से बाहर अन्य शहरों में भी ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई और पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पीड़िताओं को हर संभव सुरक्षा व सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पंजाब में कश्मीरी छात्रों के उत्पीड़न का मामला: जेकेएसए ने मुख्यमंत्री से दखल देने की मांग की

एजेंसी

पंजाब । जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) ने सीटी यूनिवर्सिटी में रमजान के खाने को लेकर कश्मीरी छात्रों को कथित तौर पर निकालने की धमकी पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मदद मांगी। जेकेएसए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने पंजाब के मुख्यमंत्री से पंजाब स्थित सीटी यूनिवर्सिटी में मुस्लिम कश्मीरी स्टूडेंट्स की कथित परेशानी और मिल रही निकालने की धमकियों पर दखल देने की मांग की है। ऐसा तब हुआ जब उन्होंने रमजान के पवित्र महीने में सेहरी (सुहूर) और इफ्तार के लिए बेसिक इंतजाम की मांग की थी। एसोसिएशन ने कहा कि उसे स्टूडेंट्स से गंभीर शिकायतें मिली हैं, जिसमें आरोप लगाया गया है कि रमजान के दौरान यूनिवर्सिटी मेस में सही समय पर खाना मांगने पर उन्हें हॉस्टल से निकालने और एडमिशन कैंसिल करने की धमकी दी गई। एसोसिएशन के नेशनल कन्वीनर, नासिर खुएहामी ने कहा कि स्टूडेंट्स रेगुलर फीस देने वाले बोर्डर हैं, जिन्होंने रमजान को देखते हुए बस जरूरी खाने का इंतजाम करने की मांग की थी। उनकी

जायज और सही मांग पर ध्यान देने के बजाय, उनका आरोप है कि वाइस चांसलर और यूनिवर्सिटी के कुछ दूसरे अधिकारियों ने धमकी दी, गाली-गलौज की और कैंपस खाली करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्टूडेंट को अपने धर्म को मानने के लिए दुश्मनी, धमकी या दबाव का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूनिवर्सिटी सुरक्षित और सबको साथ लेकर चलने वाली जगहें होनी चाहिए जो संवैधानिक मूल्यों, सम्मान और सभी के लिए समान व्यवहार को बनाए रखें, चाहे उनका क्षेत्र, धर्म या बैकग्राउंड कुछ भी हो।

कन्वीनर ने कहा कि किसी भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के अंदर किसी भी तरह की धमकी या भेदभाव एक बहुत ही परेशान करने वाली मिसाल कायम करता है और भारत की विविधता और बहुलवाद की भावना को कमजोर करता है।

एसोसिएशन ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस मामले में दखल देने, निष्पक्ष और समय पर जांच का आदेश देने और यह पक्का करने की अपील की है कि किसी भी स्टूडेंट को अपने धर्म को मानने के लिए परेशान, धमकाया या पढ़ाई में सजा न दी जाए। एसोसिएशन ने यह भी रिक्वेस्ट की है कि पवित्र महीने के दौरान सेहरी और इफ्तार की सुविधा के लिए तुरंत इंतज़ाम किए जाएं ताकि स्टूडेंट बिना किसी डर के अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए सम्मान के साथ रमजान मना सकें। जेकेएसए के पंजाब-चंडीगढ़ कोऑर्डिनेटर खान फैक ने कहा कि यह ऐतिहासिक रूप से कश्मीरी स्टूडेंट्स और व्यापारियों के लिए एक स्वागत करने वाला और दयालु घर रहा है, जो भाईचारे और सबको साथ लेकर चलने की भावना को दिखाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को अनसुलझा रहने देने से एक गलत और टाली जा सकने वाली मिसाल कायम होने का खतरा है। एसोसिएशन को उम्मीद है कि राज्य सरकार इस विरासत को बचाने और स्टूडेंट्स और उनके परिवारों को भरोसा दिलाने के लिए जल्दी सुधार के कदम उठाएगी।

हैदराबाद में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने की आत्महत्या, आर्थिक तंगी बनी वजह

एजेंसी

हैदराबाद । हैदराबाद के अंबरपेट इलाके में एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा आत्महत्या करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 55 वर्षीय रामाराजू, उनकी पत्नी माधवी (50) और पुत्र शशांक (24) अपने घर में मृत पाए गए। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह एक सुसाइड पैक्ट (सामूहिक आत्महत्या) का मामला है। पुलिस के मुताबिक, रामाराजू और

शशांक ने कथित तौर पर माधवी का तकिए से गला दबाकर हत्या की। इसके बाद रामाराजू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जबकि शशांक ने चाकू से अपनी कलाई काट ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि परिवार व्यापार में हुए नुकसान और कर्ज के बोझ से परेशान था। बताया जा रहा है कि परिवार अंबरपेट में एक होटल चला रहा था और आर्थिक तंगी के कारण तनाव में था। जानकारी के अनुसार, घटना तड़के करीब 3:15 बजे की है। रामाराजू ने आत्महत्या से पहले अपने मित्र रवि को व्हाट्सएप संदेश भेजकर इस कदम की जानकारी दी थी। सुबह करीब 8 बजे संदेश देखने के बाद रवि उनके घर पहुंचे, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और क्लूज टीम ने साक्ष्य जुटाए। परिवार के रिश्तेदारों और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नरसैया ने मीडिया को बताया कि परिवार व्यापार में घाटे के कारण मानसिक रूप से परेशान था। सुसाइड नोट में विभिन्न स्रोतों से लिए गए कर्ज का भी उल्लेख है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

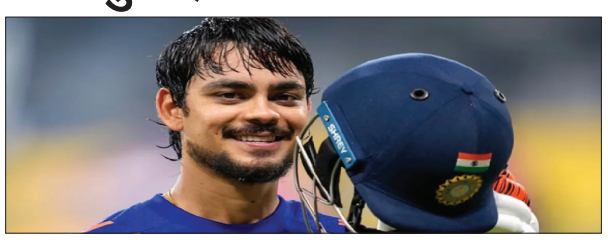

-गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड: न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम । इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलिे लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

-बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में ऊरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंनें 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ं अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

महिलाओं से ऑर्डर लेने में पुरुषों को होती है दिक्कत

अभिनेता बरुण सोबती हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आए हैं। सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। अब अभिनेता ने इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर बन रही फिल्मों और काम पर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं के अधिकार को लेकर पुरुषों की इनसिक्योरिटी को लेकर बात करते हुए इसे एक आम समस्या बताया है। बरुण ने 'कोहरा 2' को लेकर कहा कि सीरीज में दिखाया गया शक्ति समीकरण प्रोफेशनल जीवन में लोगों की असल सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस परिवार में पले-बढ़े हैं। लेकिन हां, यह एक आम धारणा है और हम इसे नकार नहीं सकते। स्पष्ट है कि पुरुषों को मजबूत महिलाओं से परेशानी होती है। उनसे आदेश लेना आज भी एक बड़ी बात है। यहां तक कि जब कोई महिला किसी बहस में अपनी बात मजबूती से रखती है, तो मैंने पुरुषों को असहज होते देखा है। मैं सभी पुरुषों की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा ही होता है। अपने करियर में ओटीटी की महत्वा पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि ओटीटी शो के सफल होने के बाद चीजें बदल गईं। इसकी शुरुआत 'असुर' से हुई। वह लोकप्रिय था, लेकिन 'कोहरा' के साथ बात बदल गई। कुछ शो आम लोग देखते हैं और कुछ शो सिर्फ इंडस्ट्री के लोग देखते हैं। 'कोहरा' को इंडस्ट्री के लोग देखते थे और तभी से मुझे ज्यादा काम मिलने लगा। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने कई अभिनेताओं के लिए अवसर पैदा किए हैं। कोहरा ने मुझे एक नई पहचान दिलाई है। बरुण सोबती 'कोहरा' के पहले सीजन में भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनका किरदार दूसरे सीजन में भी उतना ही प्रमुख है। इस बार वो मोना सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में हैं। सीरीज में दिखाया गया है कि मोना सिंह के किरदार से ऑर्डर लेने में उन्हें असहजता महसूस होती है, क्योंकि एक महिला उनकी बॉस है। 'कोहरा' के अलावा बरुण 'असुर' के दोनों सीजन में भी अहम भूमिका में नजर आए हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे

बताई 'द ब्लफ' से जुड़ी बातें

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड सिनेमा पर भी राज कर रही हैं। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। हाल ही में प्रियंका ने अपनी फिल्म 'द ब्लफ' के अलावा अपने हॉलीवुड करियर को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही प्रियंका ने यह भी बताया कि उनके लिए 'द ब्लफ' क्यों खास है?

प्रियंका का हॉलीवुड करियर

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हॉलीवुड करियर में अपनी उन्नति के बारे में कहा, 'मुझे अभी भी ऐसा नहीं लगता कि मैं सफलता के सबसे ऊपर पहुंच गई हूं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है।'

खुद पर भरोसा करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैं पहली बार हॉलीवुड आई थी, तब से मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं महसूस किया। भले ही लोग मुझे जानते नहीं थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं और मेरी क्या कीमत है। मेरा आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। हो सकता है मुझे कम मौके मिले हों या कम कामयाबी मिली हो, लेकिन मुझे अपने टैलेंट और मेहनत करने की ताकत पर हमेशा भरोसा रहा।'

किसकी तरह बनना चाहती हैं प्रियंका

प्रियंका ने कहा, 'मैं बहुत मेहनत करने वाली हूं। किसी भी रोल या किरदार को अच्छे से निभाने के लिए मैं बहुत समय और मेहनत लगाती हूं। लेकिन ये सोचना कि मैं सफलता की मंजिल पर पहुंच गई हूं? ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आज भी लगता है कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची। बहुत से शानदार लोग हैं, जिन्होंने कमाल का काम किया है और मैं भी उनके जैसा बनना चाहती हूं।'

कैसी फिल्में करना पसंद करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें कैसी फिल्में करना पसंद हैं। प्रियंका ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह की कहानियां और जॉनर आजमाना बहुत पसंद है, इसलिए फिल्म 'द ब्लफ' को करके मुझे बहुत खुशी हुई।' फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

'द ब्लफ' के बारे में

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' के बारे में कहा, ' 'द ब्लफ' मेरी फिल्मों में एक नया बदलाव लाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि यह मेरी फिल्मोग्राफी में, खासकर अंग्रेजी फिल्मों में, विविधता लाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह फिल्म संस्कृति और इतिहास की गहराई को छूती है, लेकिन साथ ही यह एक मजेदार, भावुक और रोमांचक समुद्री डाकू फिल्म भी है। इसमें ढेर सारा ड्रामा, एक्शन और भावनाएं हैं।'

कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। इसकी पटकथा फ्लावर्स और जो बॉलारिनी ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन ने अभिनय किया है। फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है

साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा ने साल 2019 में फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। मूल रूप से तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम करने वाली रेजिना इसके बाद 'जाट', 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों, ओटीटी पर 'राकेट बॉयज' और 'फर्जी' जैसी हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' में नजर आ चुकीं रेजिना कैसेंड्रा ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस थी। ज्यादातर साउथ इंडियंस की तुलना में, मेरी हिंदी बहुत बेहतर है। मैं हिंदी पढ़, लिख और बोल सकती हूं, और मैंने अब तक इस भाषा में जो भी काम किया है, वह मेरी अपनी आवाज में है। यह मेरी अपनी हिंदी है, और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं उस रोल पर खरी उतरूं जो मुझे दिया गया है। लेकिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे घर जैसा महसूस होने में समय लगा।'

रेजिना कैसेंड्रा आगे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया। सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपने काम से भी। यह मेरे लिए एक तरह का बुरा नजरिया है। मेरा मतलब है, कोई भी बता सकता था कि मुझे एक खास तरह से नीचा दिखाया जा रहा था। मैंने यह महसूस किया। इसलिए नॉर्थ में मुझे कुछ हिचकिचाहट थी। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं होता, है ना?'

जब रेजिना कैसेंड्रा से पूछा गया कि इस तरह के हालात में भी उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी' और 'जाट' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किए हैं, तो वह बताती हैं, 'जब मैं लोगों के आस-पास होती हूं, तो मुझे लगता है कि वे मेरा वह पहलू देखते हैं, जिसमें मैं लगातार सीखती हूं। मैं जिस भी इंडस्ट्री में हूं, मैं किसी न किसी तरह उसे घर जैसा महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री में एक महिला होने के नाते, हमारे लिए स्टीरियोटाइप होना बहुत आसान है। मेरा मतलब है, यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि आखिर में यह एक विजुअल मीडियम है, और एक बार जब आप कुछ देखते हैं, तो वह आपके दिमाग में बैठ जाता है। लेकिन मैं हमेशा वर्सेटाइल बनना चाहती थी। इसलिए, मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है, क्योंकि मैं हमेशा मेनस्ट्रीम कमर्शियल फिल्में नहीं करना चाहती।'

विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग शुरू।' 'पॉकेट नॉवेल' का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

'जय हनुमान' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बन रही 'जय हनुमान' फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म में राणा दग्गुबाती को कास्ट किया गया है।

ऋषभ शेट्टी ने बीते साल 'कांतारा चैप्टर 1' से बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। मूल रूप से कन्नड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 852.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब ऋषभ शेट्टी अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जय हनुमान' की तैयारी में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इसका फर्स्ट पोस्टर रिलीज हुआ, तो ऋषभ शेट्टी को बजरंग बली के अवतार में देखकर फैंस की बांछे खिल गई थीं। अब ताजा जानकारी ये आ रही है कि इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री हुई है! जी हां, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'बाहुबली' के भल्लालदेव अब 'जय हनुमान' में एक अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' साल 2024 की पौराणिक एक्शन ड्रामा ब्लॉकबस्टर 'हनु-मान' का सीक्वल है। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा दग्गुबाती को इस सीक्वल में एक अहम रोल के लिए अप्रचो किया गया है। बातचीत आखिरी दौर में है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो राणा इसी साल मार्च या अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

'जय हनुमान' को मैथरी मूवी मेकर्स, टी-सीरीज के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रही है। एक नई खबर यह भी है कि इस फिल्म को इसी महीने ऐतिहासिक शहर हम्पी में लॉन्च किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी इस सीक्वल में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं। हालांकि, राणा दग्गुबाती का किरदार क्या होगा, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है।

मार्च-अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग

2024 में तेजा सज्जा की 'हनु-मान' बनी थी ब्लॉकबस्टर

बीते साल 2025 में, मेकर्स ने 'जय हनुमान' का पोस्टर रिलीज किया था। यह डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का अगला चैप्टर है। साल 2024 में तेजा सज्जा स्टारर उनकी फिल्म 'हनु-मान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए वर्ल्डवाइड 295.29 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी की कास्टिंग ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बीते साल अक्टूबर की शुरुआत में, 'जय हनुमान' के मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया था। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में जब पोस्टर आया और उसमें ऋषभ शेट्टी टाइटल रोल में दिखे तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मच गया। फर्स्ट-लुक पोस्टर में वह एक खाली पड़े मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के सामने घुटने टेकते हुए दिख रहे हैं।

'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर फिल्म बनाएंगे प्रशांत वर्मा

डायरेक्टर प्रशांत वर्मा अपने 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' में पौराणिक कथाओं को सुपरहीरो अंदाज में पेश कर रहे हैं। वह 'हनु-मान' और 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के बेटे मोक्षग्न लीड रोल में होंगे।

वेतनवृद्धि का आवेदन क्या सही क्या नहीं

बिना तैयारी के वेतन वृद्धि के बारे में कहना गलत होता है, जबकि इसके लिए की गई तैयारी कार्य को आसान बनाती है। यहां बताए जा रहे हैं इससे जुड़े कुछ जरूरी बिंदु, जो वेतन वृद्धि की मांग करते हुए हमेशा ध्यान रखने चाहिए।

जब आपके वेतनमान से आपके बारे में सही आकलन नहीं हो पाता या लंबे समय तक वेतन बढ़ाने की आपकी प्रार्थना पर ध्यान नहीं दिया जाता तो यह कुछ उपाय हैं, जो इस दिशा में आपको सफल बना सकते हैं। बेशक, कई बार वेतन बढ़ाने के लिए कहना तनाव भरा हो सकता है। हालांकि वेतन बढ़ाने से जुड़ी योजना में निवेश किए गए समय से आपको आपकी मनचाही सैलरी मिल भी सकती है। हमेशा याद रखें, 'सही तरीके से मोलभाव करके आप अपने विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' फिर भी हममें से अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में 'सैलरी नेगोसिएशन स्किल्स' नहीं होतीं, लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण मामला होता है कि इसे दरकिनार नहीं किया जा सकता।

वेतन वृद्धि के लिए एक योजना बनाएं

इस प्रक्रिया की शुरुआत यह जानने से करें कि अप्रेजल और वेतन वृद्धि का समय कब आएगा। इसके बारे में अपने मैनेजर से पहले ही बात कर लें और उन्हें अपनी परफॉरमेंस के बारे में सविस्तार जानकारी दें। अन्य शब्दों में, 'एक आदर्श (आइडियल) के साथ शुरू करके डील के साथ बात समाप्त करें।'

अपने हुनर और जॉब का आकलन

अपने पिछले कुछ परफॉरमेंस अप्रेजल्स एकत्र करें और देखें कि उनमें आपका क्या आकलन रहा है। इसके बाद अपने कौशल, प्रोडक्टिव आउटपुट, उठाई गई अतिरिक्त जिम्मेदारियों और बेहतर या कमतर समय में कंपनी को दिए गए अपने योगदान के आधार पर अपनी वेतन वृद्धि की दावेदारी तैयार करें। यह सभी बिंदु आपके बारे में फैसला लेने में बहुत महत्वपूर्ण मानक साबित होते हैं।

अपने इतर कौशल का भी आकलन करें

वेतन वृद्धि पर बात शुरू करने से पहले मार्केट में अपने हुनर की कीमत भी जान लें। इस बारे में शोध करें और पता लगाएं कि आपके कार्यक्षेत्र में आपके बराबर अनुभव प्राप्त व्यक्तियों का वेतनमान क्या है। नेगोसिएशन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करें और वेतनवृद्धि में कैश के अतिरिक्त अन्य लाभादि को भी अपनाएं

अपने आवेदन के पक्ष में आप विभिन्न तरह के तथ्य और आंकड़ों की मदद ले सकते हैं। संस्थान के भीतर अपने उज्जवल भविष्य पर फोकस करें। बातचीत के समय दिल-दिमाग खुले रखें और तार्किक तरीके से अपने बॉस के दृष्टिकोण से भी सोच कर देखें। वेतनवृद्धि के बारे में अपने आवेदन में सीधी बात और एक निश्चित राशि की बात करें। यदि आपका बॉस आपके आवेदन को नकार देता है तो उनसे विनम्रतापूर्वक पूछें कि आपको उस स्तर पर पहुंचने के लिए और क्या करना होगा? कंपनी के संदर्भ में अपने प्रयासों पर बात करते हुए बताएं कि आप कितने वेतन के हकदार हैं। इन सबके बावजूद अन्य विकल्पों पर भी नजर रखें।

बिल्कुल न करें

वेतनवृद्धि पर इसलिए बिल्कुल बात न करें कि आपको पैसे की जरूरत है। आपकी कोई निजी जरूरत वेतनवृद्धि का कारण नहीं होनी चाहिए। इसके विपरीत, आपके किए गए कार्य के आधार पर ही आपकी वेतनवृद्धि तय होनी चाहिए। याद रखें, जरूरत के आधार पर कभी अच्छा मोलभाव नहीं हो सकता। अपने एम्प्लॉयर को किसी अन्य भारी वेतन वाली नौकरी से ब्लैकमेल न करें। एम्प्लॉयर कभी आपके हाथों का खिलौना बनना पसंद नहीं करेगा। इसलिए ऐसा कोई काम न करें। वेतनवृद्धि के लिए नौकरी छोड़ने की धमकी या नोटिस देना कभी सही तरीका नहीं माना जाता। इसलिए किसी नकारात्मक तरीके को अपनाने की बजाय प्रोफेशनल तरीके से पेश आएं।

कभी अस्वाभाविक न हों। ऐसा तब और भी जरूरी हो जाता है, जब आप वेतनवृद्धि से जुड़े तथ्य जानते हों। आपके मित्रों को अधिक वेतन मिलता है, इसे देखते हुए कभी यह मांग न रखें। पहले अपना आकलन करें, उसके बाद ही कोई प्रस्ताव आगे रखें। यह भी न मानें कि आपका कार्य ही आपके बारे में बताएगा। अपने किए काम पर बात करें और उससे जुड़े आंकड़े सामने रखें, क्योंकि इससे आपका सही मूल्यांकन हो सकेगा।

बिना अपॉइंटमेंट के वेतनवृद्धि पर बात करने के लिए अपने बॉस के कमरे में न जा घुसें। इसके लिए जरूरी है कि मीटिंग के लिए सही समय पहले से निश्चित कर लें। बातचीत के दौरान वेतनवृद्धि की बात बिना भावुक हुए पूरी तार्किकता के साथ रखें। रुडयार्ड किप्लिंग ने कहा है, 'यदि आप जो चाहते हैं, वह आपको नहीं मिला तो यह इस बात का संकेत देता है कि या तो आप उसके बारे में गंभीर नहीं हैं या आपने कीमत के बारे में मोलभाव का प्रयास किया है।' लिहाजा, जरूरी है कि आपको पता हो कि वेतनवृद्धि पर बात करते हुए कहां सीमारेखा खींचनी है।

मैनेजमेंट कंसलटेंसी में बढ़ी नौकरियों की संभावनाएं

पिछले एक दशक में प्रबंधन शिक्षा (मैनेजमेंट एजुकेशन) के साथ ही प्रबंधन अभ्यास के क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव आया है। पारिवारिक बिजनेस (फैमिली डोमिनेटेड बिजनेस) भी पेशेवर (प्रोफेशनल) हुआ है। प्राइवेट कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की सालाना सैलरी भी दो करोड़ से 20 करोड़ तक हो गई है।

युवा प्रोफेशनल्स 40 के उम्र में न केवल सीईओ बन रहे हैं, बल्कि कंपनियों के बोर्ड के मेंबर्स भी हो जा रहे हैं। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के साथ ही वितीय सेवाओं और मैनेजमेंट कंसलटेंसी में नौकरियों की संभावनाएं काफी बढ़ी हैं। अब कंपनियां न केवल सीनियर अधिकारियों को लैटरल इंट्री दे रही हैं, बल्कि उन्हें संस्था में लंबे समय तक बनाए रखने की कोशिश भी कर रही हैं। पहले कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनीज पर ज्यादा विश्वास करती थीं।

बदलते परिदृश्य में कंपनियों के बोर्ड में गलत मैनेजमेंट प्रैक्टिस सामने आए हैं और कंपनियां इसको लेकर काफी संजीदा हुई हैं। कंपनियों में डेलिगेशंस बढ़ा है, बावजूद प्राइवेट संगठन और फैमिली मैनेज्ड कंपनियों में नीतियों का निर्धारण अभी भी काफी हद तक सेंट्रलाइज्ड (केन्द्रीयकृत) है। कंपनियों के बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अब प्राइवेट के साथ ही पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशन भी प्रोफेशनल कंसलटेंट का उपयोग ज्यादा से ज्यादा से कर रहे हैं।

प्रबंधन शिक्षा में भी बदलाव

प्रबंधन शिक्षा देने वाले बिजनेस स्कूलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। बिजनेस स्कूलों के साथ एमबीए कोर्स की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। मैनेजमेंट के दो साल के कोर्स के अलावा अब वर्किंग एजीक्यूटिव के एक साल का एमबीए प्रोग्राम काफी लोकप्रिय हुआ है। यही नहीं कोर्स कंटेन्ट में भी बदलाव आया है। सूचना प्रधान शिक्षण की जगह फाइनांस, स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट को महत्व मिल रहा है।

भारतीय छात्रों का गलोबल एक्सपोजर बढ़ा है। मैनेजमेंट के सभी कोर्स में लड़कियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। प्रबंधन शिक्षा अब डाटा बेस्ड, केस ओरिएंटेड और पार्टिसिपेटिव हो गई है। अधिकतर बिजनेस स्कूल बिजनेस इथिक्स को अपने कोर्स में शामिल कर रहे हैं।

आइएएस के लिए कितने तैयार हैं आप

सिविल सेवा परीक्षा में भाग लेनेवाले युवाओं की संख्या बहुत अधिक होती है, क्योंकि सिविल सेवा उन्हें समाज के लिए कुछ करने का अधिकार देने के साथ-साथ रुतबा और प्रतिष्ठा भी दिलाता है. आइए जानें सिविल सेवा परीक्षा के एक पेपर (सीसैट) की तैयारी के बारे में, जिससे इसमें अच्छा स्कोर किया जा सके.

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन और शेष बचे समय में रणनीति के साथ अंतिम तैयारी परीक्षा में सफलता दिला सकती है.

परीक्षा का प्रकार

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा में दो पेपर होते हैं. सीसैट और जनरल स्टडीज. दोनों का अपना महत्व होता है. इस बार सीसैट की तैयारी के बारे में. ध्यान रखें, सीसैट ऐसे अभ्यर्थियों के लिए वरदान है, जो किसी भी विषय को रटने की अपेक्षा समझने पर बल देते हैं.

सीसैट की तैयारी

सीसैट (सिविल सर्विसेस एप्टीट्यूड टेस्ट) में 200 अंकों के लिए दो घंटे का समय निर्धारित है. सीसैट के द्वारा सभी विषय के छात्रों को एक समान स्तर पर लाया गया है. इससे रटने की प्रवृत्ति को समाप्त कर अभ्यर्थी की तार्किकता, समझदारी, व्यक्तित्व और उसके अंदर छुपे प्रशासनिक गुणों को देखा जाता है. इसमें अभ्यर्थी की भाषा में पकड़, विभिन्न परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, तीव्र गति से आकलन एवं गणना करने की क्षमता का भी पता चलता है. सीसैट कई भागों में बंटा है. प्रत्येक भाग की तैयारी के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाएं.

भाषा-हिंदी/अंगरेजी

सीसैट के प्रथम भाग में हिंदी और अंगरेजी में कॉप्रीहेंशन दिये जाते हैं. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं. इस पैसेज को सावधानी से पढ़ कर, अच्छे से समझ लें, फिर उत्तर दें. आपने अपने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के फॉर्म में भाषा के स्थान पर जिस भाषा का चयन किया है, कॉप्रीहेंशन उसी भाषा में करें.

गणितीय योग्यता

सीसैट में गणित के सवालों के जरिये आपकी सटीकता की जांच की जायेगी. गणित में एनसीइआरटी की छठी से लेकर 10वीं तक की पुस्तक से प्रश्न होंगे. इनमें प्रतिशत, औसत, आयु समय एवं काम, समय एवं दूरी, संभावना आदि अध्याय मुख्य होंगे. गणित को नियमित अभ्यास के माध्यम से ही बेहतर किया जा सकता है. कुछ चीजों को याद कर लें. जैसे 1 से 50 तक के वर्ग, 1 से 10 तक वर्गमूल आदि. इसके अलावा गणित के प्रश्न हल करते समय अपने दिमाग को स्थिर रखना अनिवार्य है.

निर्णय क्षमता

निर्णय लेना ही प्रशासक का मुख्य कार्य है. एक अच्छा निर्णय किसी भी समस्या को सदा के लिए समाप्त कर देता है. निर्णय लेते समय समस्या से संबंधित सूचनाएं एवं आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं. इसमें आपकी ज्ञान, समझ, धैर्य, पहल करने की क्षमता आदि का पता चलता है. इसीलिए इस प्रकार के प्रश्नों को कई चरणों में बांट कर हल करें.

सम्प्रेषण कौशल

लोक सेवक को जनता, नेता, मीडिया एवं नौकरशाह से बातचीत करनी पड़ती है. इसीलिए प्रत्येक लोक सेवक को विभिन्न व्यक्तियों से विभिन्न समय पर संपर्क / संचार / वार्ता स्थापित करने की क्वालिटी आनी चाहिए. प्रशासनिक व्यक्ति तथ्य आधारित संचार देते हैं. सभी संचार औपचारिक माध्यम के द्वारा स्थापित हो, इसका ध्यान रखना चाहिए.

तार्किक क्षमता

इस मार्ग में मुख्य रूप से अभ्यर्थी की मानसिक शक्ति की जांच की जायेगी. अधिकतर प्रश्न पहेली के रूप में रहेंगे. इसके लिए आरएस अग्रवाल की पुस्तक काफी उपयोगी है. अधिक अभ्यास के द्वारा कम, समय में प्रश्न को हल किया जा सकता है.

मानसिक योग्यता

यह भी एक प्रकार से रीजिनिंग का ही भाग है. इसके अंतर्गत किसी दिये गये आंकड़ों के आधार पर किसी घटना को सिद्ध करना होता है. इसके लिए भी आरएस अग्रवाल की पुस्तक उपयोगी है.

अंगरेजी भाषा और बोध परीक्षण

यह भाग सभी अभ्यर्थियों के लिए केवल अंगरेजी में ही होगा. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे. इन्हें सावधानी से पढ़ कर उत्तर दें. इस भाग में कुछ प्रश्न ग्रामर से भी रहेंगे, जिसके लिए कोई भी दसवीं क्लास की ग्रामर की किताब की मदद लें. इस भाग की तैयारी के लिए यूपीएससी द्वारा आयोजित दूसरी बहुविकल्पीय परीक्षाओं, जिसमें अंगरेजी के प्रश्न पूछे जाते हैं, के प्रश्नपत्र को लेकर हल करें और बार-बार अभ्यास करें.